प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ... सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

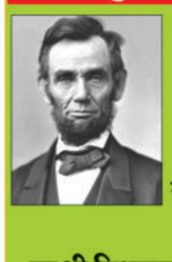

हर किसी पर विश्वास कर लेना खतरनाक है, किसी पर भी विश्वास न करना बहुत खतरनाक है।

अब्राहम लिंकन

वर्ष-07, अंक - 01 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 26 सितम्बर 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

प्रसाद में मिलावटः आस्था पर गहरा आघात

माही की गूंज, संजय भटेवरा

तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट का आरोप लगाते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपनी पूर्ववर्ती जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ का आरोप लगाया है। जिसके बाद देश के विभिन्न मंदिरो में बिकने वाले प्रसाद की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

मिलावट किसी में भी सही नहीं कहीं जा सकती है और प्रसाद का सीधा संबंध भक्त और भगवान से जुड़ा रहता है इसलिए मिलावटी प्रसाद न भक्त को स्वीकार है और न ही भगवान भी स्वीकार करते हैं। हिंदू धर्म में प्रसाद का बहुत अधिक महत्व है इसे केवल खाद्य वस्तु नहीं माना जाता है बल्कि भगवान द्वारा भक्त को दिया जाने वाला आशीर्वाद माना जाता है। भक्त द्वारा प्रसाद को भगवान को भोग लगाने के बाद ही पवित्रता और विनम्रता के साथ स्वीकार किया जाता है इसलिए इसको केवल प्रसाद या खाद्य पदार्थ नही बल्कि भक्त और भगवान के बीच भावनात्मक जुड़ाव भी है।

ऐसे में तिरुपति बालाजी मंदिर का प्रबंधन करने वाली तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की बारीकी से जांच की जाना चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाना चाहिए। क्योंकि यह राजनीतिक मामला नहीं है आस्था से जुड़ा हुआ मामला है। देश के प्रमुख मंदिरों में शामिल तिरुपति बालाजी मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा सबसे अधिक दान (चढ़ावा) दिया जाता है इसलिए इसके ट्रस्ट में फंड की कोई कमी नहीं है। बावजूद सस्ता घी, प्रसाद निर्माण में क्यों उपयोग किया जा रहा है...? यह जांच का विषय है।

वीआईपी दर्शन व्यवस्था पर भी सवाल

देश के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए वीआईपी दर्शन व्यवस्था है जिसमें श्रद्धालु एक निश्चित रकम की रसीद कटवाकर शीघ्रता से दर्शन कर लेता है। जबकि आम दर्शनार्थियों को घण्टो लाइन में लगकर भगवान के दर्शन का लाभ ले पाता है। इस व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल उठ चुके हैं। भगवान के सामने कोई भी व्यक्ति वीआईपी नहीं होता है भगवान के लिए सभी श्रद्धालु बराबर है और भगवान के दर्शन करने का भी सबको बराबर अधिकार है। ऐसे में वीआईपी दर्शन क्यों...?

जिसको लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह के कमेंट्स प्रचलित है। कई कमेंट्स में तो लोग यह भी लिख रहे हैं कि, यह वीआईपी लोग भगवान को अपने घर ही क्यों न बुला ले और घर बैठकर ही दर्शन लाभ ले ले!

निश्चित रूप से धर्म, आस्था और श्रद्धा से जुड़ा मामला है और देश के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भावनाओं, आस्थाओ और परंपराओं का पूरा-पूरा सम्मान किया जाना चाहिए। मंदिर के प्रसाद में मिलावट और वह भी (बीफ) अगर यह सही साबित होता है तो यह अक्षम्य अपराध है। हिंदू धर्म में पशु, पक्षी और जानवरों की भी पूजा की जाती है। यहां तक की शेर और सांप जैसे घातक जानवरों को पूजनीय माना गया है, भले ही वह मनुष्य के लिए खूंखार व जहरीले हो लेकिन वह भी पूजनीय है। ऐसे में किसी जानवरों की हड्डी से बना घी खाना तो दूर, हाथ में लेना भी वर्जित है। वही देश के इतने बड़े मंदिर के प्रबंधन ने मात्र कुछ रुपए बचाने के लिए इस प्रकार के घी का उपयोग करने की स्वीकृति देने वाले, ऐसे घी को सप्लाई करने वाले तथा ऐसे घी को बनाने वाले तीनों ही इसमें समान रूप से दोषी है। इसलिए अगर जांच में यह दोषी पाए जाते हैं तो इन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाना चाहिए। साथ ही देश भर के मंदिरों में भी सख्त नियम बनाए जाने चाहिए जिसमें कोई भी श्रद्धालुओं की भावना से खिलवाड़ न कर सके।

साथ ही इस देश में किसी भी खाद्य पदार्थ में मिलावट की रोकथाम करने के लिए भी कड़े कानून न केवल बनाये जाना चाहिए, बल्कि सख्ती से उनका पालन भी करवाया जाना चाहिए। किसी भी चीज में कोई अन्य वस्तु मिलाकर लोगों की सेहत के साथ या किसी की आस्था के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति किसी को भी नहीं होनी चाहिए।

टिकट न मिलने पर बगावत की तो भुगतने होंगे परिणामः अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी भाजपा ने अपनी रणनीति तेज कर दी है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नागपुर में विदर्भ क्षेत्र के 62 विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात की। शाह ने साफ शब्दों में कहा कि चुनाव से पहले पार्टी में विद्रोह और गुटबाजी किसी भी सूरत में बर्दाशत नहीं की जाएगी।

अमित शाह ने चेतावनी दी कि, अगर कोई नेता टिकट न मिलने पर बगावत करता है, तो उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं से यह भी कहा कि, वे सिर्फ बीजेपी उम्मीदवारों के लिए ही नहीं, बल्कि गठबंधन में शामिल शिवसेना और एनसीपी उम्मीदवारों के लिए भी एकजुट होकर काम करें।

शाह ने विदर्भ क्षेत्र में 45 सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया और महायुति सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को मतदाताओं तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि, सत्ता में वापसी के लिए बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन को मजबूती से चुनाव लड़ना होगा।

गृह मंत्री ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और नवरात्रि व दिवाली के त्योहारों का इस्तेमाल मतदाताओं से बेहतर तालमेल बनाने के लिए अपील की।

शाह ने कहा कि, पार्टी को केवल अपनी जीत पर नहीं, बल्कि महायुति के लिए भी पूरी प्रतिबद्धता से काम करना चाहिए। विदर्भ क्षेत्र में 45 सीटें जीतने का लक्ष्य रखते हुए उन्होंने कहा कि यह चुनाव महाराष्ट्र में सत्ता में वापसी के लिए निर्णायक हो सकता है।

राहुल गांधी के बयान पर पासपोर्ट रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेरिका दौरे पर दिए गए बयान के बाद विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से बीजेपी सांसद सीपी जोशी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर राहुल गांधी का पासपोर्ट रद्द करने की मांग की है।

सीपी जोशी ने अपने पत्र में लिखा कि, राहुल गांधी के भाषणों से देश के आम नागरिक आहत हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि, राहुल गांधी को देश के बाहर जाकर देश का अपमान करने का अधिकार किसने दिया, राहुल या तो नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दें या फिर उनका पासपोर्ट जब्त किया जाए।

कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने कहा कि, बीजेपी नेता बेवजह के मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि, लोकसभा स्पीकर पासपोर्ट अधिकारी नहीं होते, और सांसदों को यह समझना चाहिए कि पासपोर्ट रद्द करने का अधिकार किसके पास है। राहुल गांधी ने हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान वर्जीनिया में एक भाषण दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि, आरएसएस कुछ धर्मों, भाषाओं और समुदायों को कमतर मानता है। इस बयान पर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी का समर्थन किया था, जिससे विवाद और भी बढ़ गया है।

सांसद कंगना के किसान कानूनों पर बयान से मचा बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा की लोकसभा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर चर्चा में हैं। उनके किसानों से जुड़े बयान ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। बीजेपी ने कंगना के बयान से किनारा कर लिया है।।

चिराग पासवान, एलजेपी प्रमुख और केंद्रीय मंत्री, ने कहा कि, यह कंगना का व्यक्तिगत बयान है और पार्टी का इससे कोई संबंध नहीं है। वहीं, दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेंद्र यादव ने पूछा कि, कंगना को कौन बढ़ावा दे रहा है और क्यों पार्टी उन्हें नहीं रोक रही है? उन्होंने कंगना के पूर्व में किसानों को आतंकवादी कहने की बात का भी उल्लेख किया।

जनता दल यूनाइटेड के सीनियर नेता केसी त्यागी ने कंगना के बयान को किसानों का अपमान बताया और भाजपा से कार्रवाई की मांग की। कंगना ने सोशल मीडिया पर अपने बयान को व्यक्तिगत बताते हुए कहा कि, यह पार्टी के रुख का प्रतिनिधित्व नहीं करता।

बीजेपी नेता गौरव भाटिया ने भी उनके बयान को अस्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि, कंगना ऐसी टिप्पणियों के लिए अधिकृत नहीं हैं। कांग्रेस ने कंगना के बयान वाले वीडियो को साझा करते हुए कहा कि, बीजेपी किसानों के खिलाफ फिर से काले कानून लाने का प्रयास कर रही है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कंगना ने कहा कि, तीन कृषि कानूनों को वापस लाना चाहिए और किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि ये कानून किसानों के लिए फायदेमंद थे, लेकिन विरोध के कारण सरकार ने इन्हें वापस लिया।

कंगना ने किसानों को देश के विकास का स्तंभ बताते हुए अपील की कि वे अपने भले के लिए कानूनों की वापसी की मांग करें।

फडणवीस के पोस्टर से मचा हड़कंप

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के पोस्टर में हाथ में रिवॉल्वर लिए नजर आने से बुधवार सुबह मुंबई के लोग हैरान रह गए। हालाँकि, यह फडणवीस असल में नहीं बल्कि उनके पोस्टरों की तस्वीर थी।इन पोस्टरों के जरिए बदलापुर कांड में आरोपी अक्षय शिंदे के एनकाउंटर का श्रेय फडणवीस को दिया जा रहा है। अक्षय शिंदे की पुलिस एनकाउंटर में मौत पर विपक्ष ने कई सवाल उठाए हैं।फडणवीस ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं, जिसे महाराष्ट्र सीआईडी देख रही है। अक्षय शिंदे की मां और चाचा ने इस एनकाउंटर को साजिश करार दिया है। पुलिस ने दावा किया है कि शिंदे ने एक पुलिसकर्मी की रिवॉल्वर छीनकर गोली चलाई थी, जिसके जवाब में पुलिस ने उसे मार गिराया।

माही की गूंज के स्टिंग ऑपरेशन मे भाजपा सदस्यता अभियान की खुली पोल...

केबिनेट मंत्री भी अपना टारगेट पूरा करने के लिए आँगनवाड़ी कर्मचारियों के द्वारा बनाया जा रहा भाजपा सदस्य

माही की गूंज, बन्नी/पेटलावद।
ऋषभ गुप्ता/ राकेश गेहलोत

भाजपा ने संगठन के कई मुख्य और महत्वपूर्ण पदों पर नेताओं की आपसी खिंच-तान ओर वर्चस्व दिखाने के चक्कर में हुई आयातित ओर निष्क्रिय लोगो की नियुक्ति के दुर्गामी परिणाम अब भाजपा को देखने मिल रहे है।

वर्तमान में भाजपा में सदस्यता अभियान कार्यक्रम चल रहा है जिसमे भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारीयो सहित बड़े नेताओं को उनके हिसाब से सक्रिय सदस्य बनाने के टारगेट संगठन की ओर से मिले है। लेकिन झाबुआ जिले में वर्तमान में भाजपा के सदस्यता अभियान की स्थिति छुपी नही है और देश की सबसे बड़ी कार्यकर्ताओ की कहे जाने वाली पार्टी को ही सदस्यों को जोड़ने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। बात करे तो मध्यप्रदेश के जिलों की तो पूरा जिला इस अभियान में पिछड़ा हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के दौरे ओर संगठन को खरी-खोटी सुनाने के बाद भी इस अभियान में उस स्तर की सफलता मिलती नही दिख रही जैसा भाजपा का प्रदेश संगठन चाह रहा था।

आंगनवाडी कार्यक्रर्ता मोबाईल से महिलाओ को एकत्रित कर बना रही भाजपा सदस्य।

माही की गूंज का स्टिंग आपरेशन : देखे क्यु आर कोड स्कैन कर, जिसमे आंगनवाडी कार्यकर्ता खुद कह रही है की उपर से मिले आदेश के बाद भाजपा सदस्य बना रहे है।

केबिनेट मंत्री को नहीं मिल रहे सक्रिय सदस्य, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को जोड़ कर किया जा रहा टारगेट पूरा

स्थानीय स्तर पर नेताओं की हालत खस्ता है ही। साथ ही साथ क्षेत्र की विधायक और सरकार में महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया को मिले संगठन से सदस्यों की संख्या के टारगेट को पूरा करने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। कई नेताओं ने मंत्री निर्मला भूरिया की आईडी से सदस्यों को जोड़ने का मना करते हुऐ स्वयं की आईडी से कार्य करने की बात कह डाली।

उधर टारगेट से पिछड़ती मंत्री महोदया के विभाग को ही इनके टारगेट पूर्ति के लिये जरिया बनाया गया। जिसके तहत क्षेत्र अनुसार आंगनवाड़ी सुपरवाइजरो को आंगनवाडी कार्यकर्ताओ ओर सहायिकाओ के द्वारा भाजपा की प्राथमिक सदस्यता दिलवाई जा रही है। पेटलावद विकास खण्ड के ग्राम बनी की एक आंगनवाडी में माही की गूंज के स्टिंग आपरेशन में मय वीड़ियो के साथ मामला सामने आया। जहा आंगनवाड़ी भवन पर ही आंगनबाड़ी सुपरवाइजर के माध्यम से कार्यकर्ता और सहायिकाओ के साथ-साथ अन्य महिलाओं को भाजपा सदस्य बनाने का कार्य चल रहा था जिसमें भाजपा के पुरूष कार्यकर्ता भी आंगनवाड़ी में उपस्थित दिखाई दे रहे है। हमारे प्रतिनिधि के सवाल करने पर सुपरवाइजर बड़े अधिकारियों के निर्देश की बात कहने लगी। चर्चा में है कि, सदस्यता अभियान में मंत्री ने टारगेट पूरा करने के लिए विभाग के अधिकारियों को ही ये निर्देश जारी किए है।

लाडली बहनों का टारगेट

भाजपा के सदस्यता अभियान को पंख लगाने और मंत्री के टारगेट को पूरा करने के लिए अगला निशाना लाडली बहना योजना में लाभान्वित महिलाओ को भी भाजपा की सदस्यता दिलवाने का टारगेट है। आंगनवाडी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को जोड़ने के बाद ये काम उनके सुपुर्द किया जा रहा है। जिन-जिन महिलाओं के फार्म लाडली बहना में भरे है उनको आंगनवाडी पर मोबाइल और आधारकार्ड लेकर बुलाना है और उनके मोबाइल से मैसेज कर ओटीपी लेकर भाजपा का सदस्य बनाना है।

निष्क्रिय संगठन और अपना-अपना टारगेट

पेटलावद विधानसभा में भाजपा के निष्क्रिय संगठन के परिणाम विधानसभा चुनाव में ही सामने आ चुके है। जब यहां विधायक निर्मला भूरिया 5600 के मामूली अंतर से बमुश्किल जीत दर्ज कर पाई थी। जिंसमे भी सबसे बड़ी भूमिका भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी की रही थी, जिसने कांग्रेस का बड़ा नुकसान कर भाजपा और निर्मला को मुकाबले में खड़ा कर दिया। वर्तमान में संगठन के पदाधिकारी ओर कार्यकर्ता संगठन की और से मिले टारगेट को पूरा करने में लगे है। ताकि पोर्टल पर उनका नाम दर्ज हो सके।

सट्टे का गढ़ बना सारंगी, अवैध सट्टे पर नहीं लग रही लगाम

बड़े इशारे पर गए और छोटे खाई वालों पर की कार्रवाई

माही की गूंज , पेटलावद।

कहते है कि, अवैध शराब की तरह अवैध सट्टा भी खाकी वर्दी के निर्देश पर चलता है जिसे बंद सिर्फ पुलिस कर सकती है वो भी जब तब वो खुद चाहे, बाकी कोई शिकायत या जानकारी पुलिस के काम की नही । खुला सट्टा बाजार धीरे-धीरे मोबाइल पर सिमटता जा रहा है। जहा पुलिस हाईटेक होती जा रही है वही सट्टा खाईवाल पुलिस से एक कदम आगे बढ़ कर उसी हाइटेक तरीके से सट्टा चला कर गरीबो को बर्बाद कर रहे है ।

इन दिनों सट्टे का कारोबार सारंगी गाँव मे तेजी से फल-फूल रहा है। सारंगी ग्राम के बस स्टेशन के आसपास सटोरियों का जमावडा लगा रहता है और खाईवाल के कर्मचारी अलग-अलग स्थानों पर मोबाइल और अन्य तरीकों से सट्टा लिख कर अपने आका तक पहुँचा रहे है। चर्चा है कि, सारंगी में आसपास के क्षेत्र से भी भारी मात्रा में सट्टा उतारा जा रहा है । विगत दिनों पुलिस ने एक नए नवेले खाईवाल बंगाली डॉक्टर पर कार्यवाही कर सट्टा पकड़ा था। सारंगी में चर्चा है कि, ग्राम के बड़े खाईवाल को इसकी भनक लगी और इसकी जानकारी उसी के जरिये पुलिस तक पहुँची जिसके बाद कार्यवाही की गई।

सारंगी में सट्टे का सरगना कौंन...?

सारंगी में तेजी से फल फूल रहे सट्टे के व्यापार का सारगना कौंन है? इसकी जानकारी पुलिस के पास भी है लेकिन महीना बंदी के चलते पुलिस सारी जानकारी को देख कर अनदेखा कर देती है। अगर किसी के द्वारा जानकारी दी जाती है तो खबर खाईवालों तक पहुँच जाती है। हॉइ प्रोफ़ाइल और हाइटेक हो चुकी पुलिस को आज तक मोबाइल के जरिये चल रहे इस बड़े कारोबार को पकड़ने में सफलता नही मिली और अधिकारियों के दबाव या शिकायत पर खाईवालों के सट्टा लिखने वालों को पकड़ कर प्रकरण बना कर इतिश्री कर लेती है। सारंगी का इमली चौक सट्टे के लिए बदनाम हो चुका है। यहां बडी संख्या में सटोरिये घूमते रहते है । मिली जानकारी के अनुसार इसी क्षेत्र में खाईवाल अपने व्यापार को अंजाम देते है।

एक हजार किसानों को होने वाली नुकसानी का जिम्मेदार आखिर कौंन...?

फसल बीमा योजना से वंचित हुए किसान, अधिसूचना में नाम नही होने से नही मिल सका लाभ

माही की गूंज ,बरवेट ,जगदीश प्रजापत।

किसानों के हित में काम करने के सरकारी दावो की पोल एक बार फिर से खुलती दिखाई दे रही है। यहां प्रशासनिक लापरवाही के चलते एक संस्था के अंतर्गत आने वाले लगभग एक हजार किसानों को फसल बीमा योजना से वंचित होना पड़ा। मामला पेटलावद विकास खण्ड की आदिम जाति सहकारी संस्था बरवेट के अंतर्गत का है। जिसके दायरे में फसल बीमा योजना के लाभ के लिए बरवेट सहित बाबड़ी, महूडीपाड़ा और कालीघाटी आती है जहां के लगभग 20 गाँव के लगभग 1500 किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिलता है। मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष बरवेट संस्था में केवल बावड़ी पंचायत के गाँव ओर कालीघाटी पंचायत के तीन गाँवो के किसानों को इस योजना में जोड़ा गया। जबकि महूडीपाडा और बरवेट के किसान पूरी तरह से योजना का लाभ लेने से वंचित हो गए। संस्था को 31 जुलाई तक इन चारों पंचायतों के किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ देना था लेकिन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में केवल बावड़ी पंचायत के गाँव और कालीघाटी पंचायत के तीन गाँव ही भेजे गए।

मामले में बरवेट आदिमजाति संस्था के प्रमुख अनुसिंह गामड़ से बात की तो उन्होंने बताया कि, हमको कृषि विभाग की और से अधिसूचना प्राप्त हुई थी और जिन गांवों के नाम अधिसूचना में थे उनका पंजीयन हो गया और जो गाँव छूट गए उनके लिए पत्र व्यवहार संस्था की ओर से किया गया। साथ ही 23 जुलाई को भोपाल से हुई वीसी में भी हमारी और से ये बात रखी गई लेकिन अधिसुचना में अन्य बाकी गाँवो के नाम नही जोड़े गए।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जागरुकता अभियान चलाया

माही की गूंज ,बरवेट।

जिला कलेक्टर नेहा मीना के निर्देश व पेटलावद एसडीएम तनुश्री मीना, सीईओ राजीव दीक्षित, एसबीएम, बीसी, अनुसार व मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक ,ब्लॉक समन्वयक के नेतृत्व में बुधवार को बरवेट में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नाडेप पर नारे लेखन व खाली किया गया तथा नापेप के आसपास साफ सफाई अभियान चलाया गया व, शपथ दिलाई गई, जिसमें उपस्थित रोजगार सहायक जवरसिह डामर, जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था प्रभारी व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पांच हजार किसान करते है जैविक खेती, इंदौर में होगा जैविक कृषकों का बायर सेलर मीट आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

जैविक खेती को जिले के किसानो के लिए की जा रही जैविक खेती को गतिशील और समृद्ध बनाने की कडी में कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जिले के विकासखण्ड रामा के सुदूर अंचल के ग्रामो के भ्रमण के दौरान कृषक समुदाय से चर्चा करते हुऐ किसानो को जैविक खेती करने के लिये प्रेरित किया। साथ ही कलेक्टर ने बताया कि जैविक कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए कृषकों के लिए बायर सेलर मीट का आयोजन इंदौर में किया जाएगा। कलेक्टर द्वारा जैविक कृषि करने वाले किसानों का सर्वे कराया गया जिसमें अब तक जिले के विभिन्न विकासखण्डो में 5000 कृषको का चिन्हांकन किया जा चुका है। चिन्हांकित कृषको के यहां लगभग 1200 हेक्ट क्षेत्र में उत्पादित होने वाली विभिन्न प्रकार की जैविक फसलो और उसके रकबे सहित अन्य जानकारियां संकलित की गई है। जिले में विशेष रूप से उत्पादित होने वाली फसल मक्का, अरहर, मूंगफली सहित मोटा अनाजो को जिले के बाहर अच्छा बाजार उपलब्ध कराने की प्रचुर संभावना है। जैविक खेती से प्राप्त उपज की पोषणीय गुणवत्ता उच्चतर स्तर की होती है। जैविक रीति से

उत्पादित अनाज के सेवन से व्यक्ति घातक बीमारीयों की आशंका से मुक्त रहता है। कलेक्टर भ्रमण के दौरान ग्राम भुराडाबरा के महिला कृषक समूहो की सदस्यो से रूबरू होते हुऐ उनके द्वारा जैविक खेती के लिये किये जा रहे प्रयासो की जानकारी प्राप्त की। वही कृषी संबंधित अन्य जानकारिया भी किसानो से जानी तथा कलेक्टर ने किसानो को कृषि में लाभ पहुचाने वाली शासन की योजनाए भी बताई।

20 अक्टूम्बर तक होगा सोयाबीन फसल का पंजीयन

माही की गूंज, झाबुआ।

उपार्जन पोर्टल पर सोयाबीन फसल का पंजीयन कराने हेतु किसान अपन पंजीयन हेतु खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा सोयाबीन के ई-उपार्जन पोर्टल पर खरीफ 2024 में सोयाबीन फसल का पंजीयन 25 सितम्बर से 20 अक्टूम्बर तक करवाकर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ ले सकेगें।

किसानो के लिए पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। किसान भाई स्वयं के मोबाइल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। सोयाबीन फसल का पंजीयन ग्राम पंचायत में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर, जनपद पंचायत में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर तथा सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन सस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर एवं एम.पी. किसान ऐप आदि पर पंजीयन की निः शुल्क व्यवस्था है। पंजीयन किसान सोयाबीन फसल का पंजीयन जिले के निर्धारित 19 पंजीयन केन्द्रों पर कार्यालयीन समय में ई उपार्जन पोर्टल पर निःशुल्क पंजीयन करवा सकते है।

किसान को पंजीयन में उल्लेखित आधार नंबर, बैंक खाता, मोबाइल नंबर में किसी प्रकार के परिवर्तन, संशोधन की आवश्यकता होने पर संबंधित दस्तावेज प्रमाण स्वरूप (जिनको देखकर पंजीयन किया जा सके) पंजीयन केन्द्र पर लाना होगे। जिन किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान, प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में मोदी दांव के निहितार्थ

श्रीनगर में आज वह शांति व्याप्त है, जो पिछले कई सालों में देखने को नहीं मिली थी। पार्क फुटबॉल खेलते बच्चों से भरे हुए हैं और अभिभावक आसपास बैठकर गपशप कर रहे हैं। लाल चौक काफी सुथरा है, एक विशाल होर्डिंग पर गर्भावस्था परीक्षण किट का विज्ञापन प्रदर्शित है। बंध रोड पर बने एक मॉल में 'स्टारबक्स' रेस्तरां भी खुल गया है, जिसकी निगहबानी सामने लगी चिनार के पेड़ों की ऊंची कतार करती प्रतीत होती है। ऑटो और उबर वाले (जो अभी शाम को पंथा चौक की सवारी नहीं चाहते) और दुकानदार कश्मीर घाटी में भारतीय पर्यटकों की वापसी से खुश हैं। स्कूल भरे हुए हैं और साल भर खुले रहते हैं - प्रेजेंटेशन कॉन्वेंट के बाहर एक इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड पर सूक्ति लिखी है, जिसका भावार्थ है: 'एक अच्छा छात्र वही, जो ज्ञान के कुएं में डुबकी लगाकर घूंट भरे'। तथापि, एक गहरी सांस लें और झेलम नदी के तट पर खड़े होकर तनिक सोचें - क्या यह शांति तूफान से पहले की है? तब क्या होगा यदि लोगों को पता चले कि 1 अक्तूबर को विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद, जम्मू-कश्मीर का निज़ाम भी 'दिल्ली के आधी-अधूरी शक्तियों वाले मॉडल' की तर्ज पर बना दिया गया? पिछले सप्ताह के शुरू में, एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए वादे के बावजूद, पूर्ण राज्य का दर्जा लौटना इतना आसान नहीं है, कम-से-कम फिलहाल तो नहीं। वह स्थिति, जब पीएम मोदी के चुने व्यक्ति यानि उपराज्यपाल के पास भूमि और कानून-व्यवस्था जैसे शक्तिशाली विभागों का प्रभार रहेगा,जबकि बाकी का काम एक निर्वाचित मुख्यमंत्री चलाए। कहीं ऐसा तो नहीं कि यह शांति तूफान गुज़रने के बाद की हो - क्या लोगों को अहसास हो चुका है कि अब पत्थरबाजी या विरोध प्रदर्शनों या उग्रवाद में शामिल होने का कोई औचित्य नहीं है? निश्चित रूप से, देश में किसी भी अन्य कौम से ज़्यादा- मणिपुरियों के अतिरिक्त -कश्मीरी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ़ हैं कि एक गलत कदम केंद्र को सख्त कार्रवाई करने के लिए उकसाएगा। साल 2019 की अगस्त की एक सुबह श्रीनगर के एक उपनगर सौरा में लोगों के विरोध प्रदर्शन को डराने के लिए की गई भारी गोलीबारी की धुंधलाती यादें इसकी याद दिलाती हैं।

शायद, यह शांति तूफान के कारण है। यह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मोदी ने फिर से पासा फेंका है और अपने ताश के सबसे महत्वपूर्ण इक्कों को चल रहे हैं। मोदी जानते हैं कि दांव -विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय पटल पर- बहुत बड़ा है। वर्तमान अमेरिका यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात वैश्विक नेताओं से हो रही है, वे उनसे कश्मीर के बारे में भी बात करें, यह स्वाभाविक है। इसलिए मोदी को अन्य की अपेक्षा सबसे अधिक भान है कि मौजूदा चुनाव होने से तमाम फर्क पड़ेगा दृ या तो इससे उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी या उन पर शक और गहराएगा। वस्तु स्थिति यह है, जिस प्रकार हालिया लोकसभा चुनावों में उनका प्रभाव मद्धम पड़ा, उसके मद्देनज़र, यदि हरियाणा और महाराष्ट्र में भी धक्का लगा तो उनकी स्थिति और कमजोर पड़ेगी। लेकिन कश्मीर का मामला अलग है।

यह चुनाव केवल इसको लेकर नहीं है कि जीत किसकी होगी - हालांकि, यदि भाजपा किन्हीं पैंतरों से किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब हो जाती है, तो यह उपलब्धि न केवल टोपी में नया फुंदना होगी बल्कि न थमने वाले उन्मादी प्रचार की वजह भीदृ जिसको पिछले पांच सालों की 'कारगुजारी' पर आया जनता का फैसला ठहराया जाएगा। इस तथ्य के अलावा कि कुछ सार्वजनिक परियोजनाओं के ठेके पूर्वी उत्तर प्रदेश के ठेकेदारों को मिले हैं -जो कि लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा का गृह क्षेत्र है - हकीकत यह है कि गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कुछ सबसे

काबिल अधिकारियों और सैनिकों ने मिलकर बढ़िया परिणाम कर दिखाया है, जो आतंकवाद में आई कमी में स्पष्ट दिखाई देता है।

इसीलिए यह चुनाव अलग है। यह निश्चित रूप से आतंकवादियों की नई भर्ती में कमी आने के बारे में है - जिनकी संख्या अब कश्मीर घाटी में 75 तो इतनी ही जम्मू क्षेत्र में बताई जाती है दृ किंतु यकीकन यह गिनती केवल इतनी नहीं हो सकती। इन गर्मियों में, भारतीय सेना ने न केवल जवानों को खोया, बल्कि असामान्य संख्या में अधिकारियों को भी, जिन पर घात लगाकर हमला करने वालों में अधिकांशतः उच्च प्रशिक्षित एवं उकसाए गये आतंकवादी थे, जो अमेरिका निर्मित घातक एम-4 असॉल्ट राइफल जैसे घातक हथियारों से लैस थे - संभवतः अफगान युद्ध से चुराए गए - वे अंतर्राष्ट्रीय सीमा के नीचे से सुरंग खोदकर जम्मू में दाखिल हुए और भारतीय सैनिकों को अचानक आ घेरा। तथापि, भारतीय सेना को यह श्रेय है कि उसने नियंत्रण रेखा दृ जहां पर पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम समझौता कायम है - और साथ ही जम्मू क्षेत्र में फिर से खुद को संगठित किया है। लगता है कमोबेश अपनी बढ़त वापस पा ली है। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में लिए गए अब तक के सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसलों में एक रेखा खींचेगा। जब अगस्त की एक सुबह अनुच्छेद 370 को एक आदेश के ज़रिये हटा दिया गया और राज्य के चारों ओर सुरक्षा आवरण बुन दिया गया। प्रतिरोध की आवाजें, मसलन मीडिया, को अलग-थलग कर दिया और घाटी पहुंचने वाली उड़ानों में पत्रकारों-फ़ोटोग्राफ़रों और कार्यकर्ताओं के नाम 'नो-फ़्लाई' सूची में डाल दिए गए और स्थानीय अख़बारों की हैसियत महज़ मुखपत्रों से ज़्यादा कुछ नहीं छोड़ी। राजनेताओं को या तो घरों में नज़रबंद कर दिया या जेल में डाल दिया गया। उनमें से कुछ, जैसे कि बारामुला से वर्तमान सांसद इंजीनियर राशिद, जिन्हें यूएपीए आतंकी अधिनियम के तहत गिरफ़्तार किया गया था, इस चुनाव में फिर से प्रचार कर रहे हैं, जिससे कई लोग सवाल करने लगे हैं कि वे और प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के अन्य उम्मीदवार, जो बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं, क्या वास्तव में भाजपा के छद्म उम्मीदवार हैं।

पांच साल हो गए, जो सबसे बड़ा सवाल कायम है, वह यह कि जो भी हुआ क्या इसकी जरूरत थी। क्या आप लोकतंत्र का पैमाना साफ-सुथरी सड़कें, बच्चों से भरे पार्क, स्कूल जाते छात्र और गड्ढों से मुक्त राजमार्गों को बनाएंगे, इस तथ्य के बावजूद और जितना हमने जाना है, कि इन पांच सालों में लोकतंत्र पटरी से उतरा रहा। आमतौर पर नौकरशाही, चाहे कितनी भी सक्षम क्यों न हो, उन राजनेताओं की जगह नहीं ले सकती, जिनका काम लोगों को और उनकी शिकायतों को सुनना है। सवाल यह है कि क्या यह चुनाव एक नए युग का सूत्रपात करेगा, यदि ऐसा है, तो यह पुराने युग से कितना अलग होगा? इसलिए यह मोदी के अपने हित में- साथ ही भारत के राष्ट्रीय हित में भी दृहोगा कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने दिया जाए। सबसे अच्छी बात यह है कि इस पूर्व राज्य में आज हर कोई मानता है कि हालात ठीक हो सकते हैं, सुशासन संभव है, और सबसे बढ़िया यह है कि उग्रवाद पर काबू पाया जा सकता है। कल्पना कीजिए कि आगामी निर्वाचित सरकार के लिए मॉडल कैसा रहेगा। तीन चरणों में होने वाले मतदान का पहला पड़ाव हाल ही में पूरा हुआ है, दक्षिण कश्मीर, जोकि उग्रवाद के केंद्र बिंदुओं में एक रहा हैदृ वहां 60 प्रतिशत मतदान होना एक आश्चर्यजनक संकेतक है। इसका मतलब है कि पत्थरबाजों को पत्थरों की बजाय वोटों की तरफ और वर्षों से दबे हुए आक्रोश को प्रेरित कर बृहद कल्याण की राह पर मोड़ा जा सकता है। कश्मीर में वर्षों तक व्याप्त रही अराजकता और दुख को कभी भुलाया नहीं जा सकता, लेकिन दुआ करें कि काश यह चुनाव एक नए अध्याय की शुरुआत करे। यदि ऐसा हो सका, और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना विधिवत हो जाए, तब कश्मीर सामान्य स्थिति में वापस लौटने का सपना देख सकता है। किंतु फिलहाल तो यह पिलपिली जमीन पर खड़ा है, एक कदम-आगे या पीछे की तरफ- निश्चित रूप से इसकी नियति तय करेगा।

ज्योति मल्होत्रा

किसान आंदोलन में लगे हाय-हाय के नारे कहीं किसानों को भार न पड़ जाए

पटवारी से अभद्रता को लेकर ज्ञापन, मामला पहुंचा पुलिस के पास

माही की गूंज , पेटलावद।

विगत दिनों सोयाबीन की फसल के एमएसपी दाम 6 हजार किये जाने को लेकर रामगढ़ की लाड़की नदी पर भारतीय किसान यूनियन संघ द्वारा किया गया जल सत्याग्रह को लेकर अब विवाद गहरा गया है। किसानों की मांगों को सुनने ओर आंदोलन की जानकारी लेने पहुँचे हल्का पटवारी राजेश अलावा और किसानों के बीच बहस हुई थी। हालांकि इस दौरान पूरा पुलिस प्रशासन मौके पर स्थित था ओर आंदोलन खत्म होने तक इस पर कोई चर्चा नही हुई थी। लेकिन आंदोलन समाप्त होने के बाद पटवारी संघ की ओर से सत्याग्रह कर रहे किसानों द्वारा अभद्र व्यवहार, जरूरी कागज ओर मोबाइल छीनने पर किसानों पर कार्रवाई के लिए एसडीएम पेटलावद को ज्ञापन सोपा। समाचार लिखे जाने तक कोई कार्यवाही नही हुई थी।

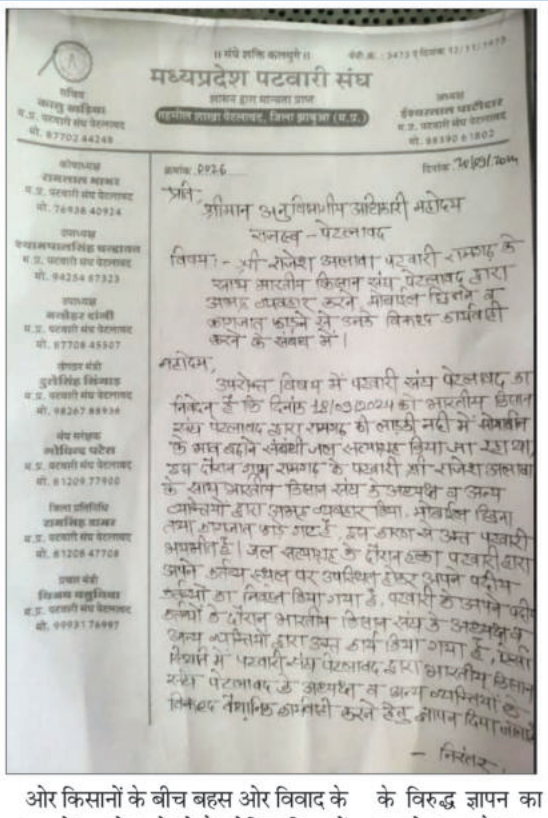

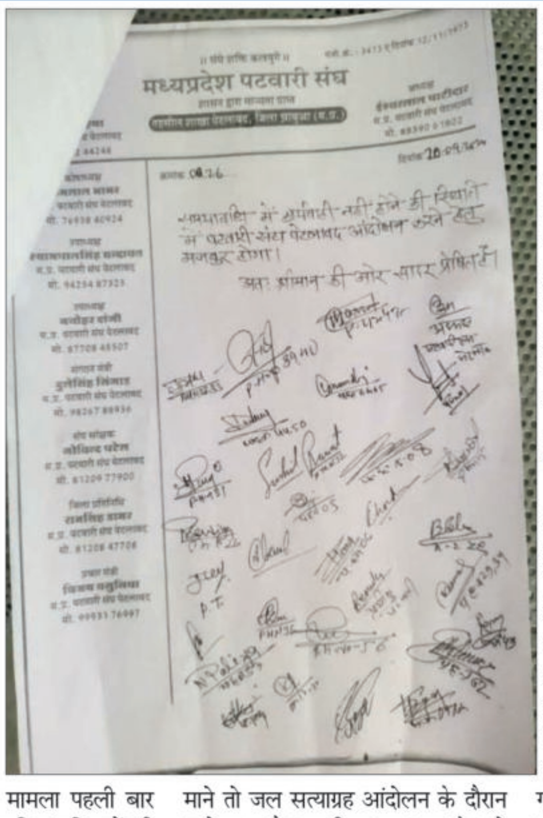

नारे व आंदोलन कही भारी न पड़े किसानों पर

किसानों की मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन की और से इस प्रकार के आंदोलन किये जाते रहते है ओर प्रशासन ओर किसानों के बीच बहस ओर विवाद के मामले सामने आते रहे है। लेकिन किसानों के विरुद्ध ज्ञापन का मामला पहली बार सामने आया है । प्रसाशनिक गलियारों की माने तो जल सत्याग्रह आंदोलन के दौरान कलेक्टर और एसडीएम हाय-हाय के नारे लगे थे जो प्रशासन को रास नही आये और पटवारी संघ के माध्यम से कही न कही इस प्रकार की कार्यवाही की बात होने की बात सामने आ रही है।

भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष महेंद्र हामड़ ने बताया कि, किसानो की आवाज को दबाने के लिए पहले भी कई कूटरचित प्रयास हुए है, लेकिन किसानों के हक ओर अधिकारो के लिए लड़ाई जारी रहेगी, रही पटवारी से अभद्रता की तो जो हुआ प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। किसी प्रकार का कोई विवाद या अभद्रता नही हुई।

पुलिस के पास पहुँचा मामला

पटवारी संघ के ज्ञापन के बाद मामला अब पुलिस के पाले में चला गया है। प्रशासन ने ज्ञापन पुलिस को फारवर्ड कर दिया है। मामले में थाना प्रभारी प्रदीप वाल्टर ने बताया कि, अधिकारीयो की और से कार्यवाही के लिए ज्ञापन प्राप्त हुआ है लेकिन इस संबध में कोई भी पटवारी अपने बयान दर्ज करवाने नही आये है। इस मामले में किसी प्रकार कोई मामला फिलहाल दर्ज नही हुआ है। पटवारी संघ की और से दिए गए ज्ञापन के बाद किसान संगठनों में नाराज़गी देखी जा रही है ।

राष्ट्रीय सम्मेलन हेतु संगठन उद्घोष यात्रा संपन्न

माही की गूंज, थांदला।

अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद, महिला परिषद एवं तरुण परिषद का दो दिवसीय राष्ट्रीय संयुक्त सम्मेलन 28-29 सितंबर को पूज्यनीय गुरुदेव गच्छाधिपति श्री नित्यसेन सुररिश्वरजी महाराज की पॉवन निश्रा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश छाजेड़, राष्ट्रीय महामंत्री सुधीर लोढ़ा व प्रदेश अध्यक्ष मोहित तातेड़ के नेतृत्व में पेपराल गुजरात में हो रहा है। सम्मेलन को सफ्ल बनाने के लिए परिषद के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने संगठन उद्घोष यात्रा निकालते हुए जगह जगह जाकर सदस्यों को आमंत्रित कर रहे है। यात्रा का समापन 22. सितम्बर को थांदला में संपन्न हुआ।

जानकरी देते हुए नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय सह मंत्री रुपेश पोरवाल ने बताया कि, प्रदेश संगठन ने पूरे प्रदेश में स्थानीय पदाधिकारियों के माध्यम से हर ज़िलें में व विकास खण्ड में जाकर परिषद से जुड़े सभी सदस्यों व स्थानीय श्रीसंघ को राष्ट्रीय अधिवेशन में पधारने का आमंत्रण देने का दायित्व सौंपा था जिसके अंतर्गत परिषद के संरक्षक उमेश पीचा, रोहित व्होरा के साथ मिलकर उन्होंनें झाबुआ अंचल में सारंगी, करवड़ व बामनिया में परिषद परिवार व श्रीसंघ के महानुभाव को अधिवेशन में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। इसी के साथ थांदला में साधारण बैठक बुलाकर आगामी 28-29 सितंबर को अधिक से अधिक संख्या पेपराल ले जाने की रूपरेखा बनाई गई।

नवोदय प्रवेश अब 7 अक्टूबर तक

माही की गूंज, झाबुआ।

जवाहर नवोदय विद्यालय थांदला (झाबुआ-2) के प्राचार्य द्वारा यह बताया गया कि, नवोदय विद्यालय समिति मुख्यालय द्वारा चयन परीक्षा के माध्यम से जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 (सत्र 2025-26) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण जारी है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7अक्टूबर 2024 तक बढ़ा दी गई है। जिसके लिए वेबसाइट पर जाकर निःशुल्क आवेदन विद्यार्थी कर सकते हैं।

भारतीय स्वयं सहायता समूह एवं वनवासी ग्रामीण मजदूर संघ की संयुक्त बैठक आयोजित

माही की गूंज ,पेटलावद।

स्थानीय दुल्लाखेड़ी हनुमान मंदिर पर भारतीय स्वयं सहायता समूह एवं वनवासी कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले भर से विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के अध्यक्ष, सचिव, संकुल प्रभारी के साथ-साथ वनवासी कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ के पदाधिकारी और सदस्यगण मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की आगामी कार्य योजनाओं पर चर्चा करना और पदाधिकारियों की नियुक्ति करना था। बैठक के दौरान भारतीय स्वयं सहायता समूह के तहसील अध्यक्ष के पद पर सर्वसम्मति से कैलाशी डामर (सारंगी) की नियुक्ति की घोषणा की गई। इसके अलावा, तहसील उपाध्यक्ष के रूप में रीना बाई और महासचिव के रूप में राधा डामर के नामों की घोषणा की गई। पेटलावद कार्यकारिणी में अन्य पदाधिकारियों के रूप में सुगना बाई कटारा, मानकी बाई कटारा, नानी बाई डामर, निर्मला गामड़, सागर बाई मचार, कैलाश सिंगाड, गीता सिंगाड, शारदा बाई निनामा, जित्तरी बाई, सीता गामड़, और राधा भूरिया को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

जिला कार्यकारिणी की घोषणा

बैठक में वनवासी कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष के रूप में सुरजी भगोरा का नाम सर्वसम्मति से घोषित किया गया। इसके साथ ही, जिला उपाध्यक्ष के पद पर विनोद बिलवाल और बहादुर भूरिया, कार्यकारिणी अध्यक्ष के रूप में राजेंद्र अग्रवाल, जिला महामंत्री बहादुर सिंह मेड़ा , लक्ष्मण भूरिया, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल बड़खिया, तथा जिला मीडिया प्रभारी के रूप में मुकेश सिसोदिया की घोषणा की गई। जिला कार्यकारिणी में बद्रीलाल सिंगाड, जगदीश भूरिया, रमेश गामड़, हरिराम निनामा, वरदा गरवाल, गौरव डामर, रतन सिंह मेड़ा, काना भाभर, रमेश खराड़ी और जयपाल मचार को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। बैठक में विशेष रूप से वनवासी कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष रादू सिंह भाभर, भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश मंत्री सोमजी भूरिया, और संगठन के अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाईक दुर्घटना में जख्मी तीसरे युवक की भी हुई मौत

माही की गूंज, खवासा।

5 सितंबर को पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया था कि, भामल से मादलदा की और एक बाइक पर सवार तीन युवक जा रहै थे कि, उक्त बाइक असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

उक्त दुर्घटना किसी वृक्ष से बाइक के टकरा जाने का बताया गया था जिसमें तीनों युवक सड़क किनारे खेत में एक ही स्थान पर मरणावस्था में पड़े थे। लेकिन पुलिस जब मौके पर पहुंची तो तीन में से दो गुड्डू पिता सेवु भूरिया व देवू भूरिया की मौत हो गई थी। वहीं दिलीप पिता बाबू भूरिया जख्मी होकर जीवित था। जिसका उपचार अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में चल रहा था।

खवासा चोकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड़ ने बताया कि, अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में दिलीप भूरिया का उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान शनिवार 21 सितंबर को मृत्यु हो गई जिसका अंतिम संस्कार रविवार को ग्रह ग्राम मादलदा में किया गया।

उक्त दुर्घटना के बाद पुलिस पर हमले की घटना हुई। वहीं उक्त दुर्घटना आज भी संदेह के घेरे में ही है कि, यह दुर्घटना थी या फिर किसी विवाद या साजिश के तहत हत्याएं थी? मामले में चौकी प्रभारी श्री मालीवाड़ से प्रतिनिधि ने जानना चाहा कि, उपचार के दौरान दिलीप ने अपनी मृत्यु के पहले पुलिस को कोई बयान दिए हैं क्या...? जिस पर चौकी प्रभारी ने बात को टालते हुए पहले तो कहा मेरे पास कुछ व्यक्ति खड़े हैं कुछ देर में बयान की जानकारी देता हूं। पुनः कुछ देर बाद प्रतिनिधि ने चौकी प्रभारी को फोन किया तो कहा मैं एसडीओपी साहब के समक्ष हूं अभी जानकारी नहीं दे सकता कह कर बात को टाल दिया। पुलिस द्वारा संदेहास्पद उक्त घटना में स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाना भी कई तरह के सवाल खड़े कर रही है।

फाईल फोटो

भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा इकाई की हुई कार्यकारणी गठित

माही की गूंज , पेटलावद।

बीपीवीएम भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा कि ब्लॉक स्तरीय बैठक का आयोजन किया। जिसमें भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा का ब्लाक पेटलावद की कार्यकारणी का विस्तार किया गया। जिसमें पेटलावद तहसील के समस्त सामाजिक कार्यकर्ता, वरिष्ठ मार्गदर्शक एंव समस्त सामाजिक सगठनों के साथ एसीएस छात्र संगठन के कार्यकर्ता की मोजूदगी में कार्यकारणी का विस्तार किया गया। भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा का विस्तार शिक्षा, स्वास्थ्य,रोजगार और छात्र हित के लिए किया गया। जिसमें पेटलावद कालेज के छात्रों की सर्व सहमति से इन छात्रों को जिम्मेदारियां दी गई। ब्लाक संयोजक सुरेश निनामा , सह संयोजक कुमकुम कटारा, सचिव चिरायु देवड़ा, वासू मोरी, शेखर कटारा, खुशी चरपोटा, रानी भूरिया आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सामाजिक कार्यकर्ता दशरथ बारिया, थावर सिंह, धर्मेंद्र डामोर, संदीप वसुनिया , खुशाल भाभर, रवि निनामा ,अनिल निनामा मीडिया प्रभारी निलेश मुणिया की मौजूदगी में संगठन का विस्तार किया गया।

मित्रता मे स्वार्थ नही देखा जाता है केवल मित्र को देखा जाता है- पं. धनराज जी

माही की गूंज ,पेटलावद।

भागवत के द्वारा भगवान को जाना जाता है। सप्तदिवसीय ज्ञान गंगा यज्ञ में सम्मिलित हो कर भगवान के करीब पहुंचा जाता है। राजा परिक्षीत को सुकदेव जी जैसे महाज्ञानी ने श्रीमद् भागवत सुनाई और अंत में जब तक्षक नाग ने उन्हें कांटा तो उनकी मृत्यु नहीं हुई उन्हें मोक्ष मिल गया।श्रीमद् भागवत के सुनने से मृत्यु का भय दूर हो जाता है। भागवत के शब्द शब्द में कृष्ण समाये हुए है। उक्त बात विद्वान पं. भागवताचार्य श्री धनराज जी ने सप्त दिवस की कथा के विश्राम अवसर पर कहे।

यजमान परिवार मनोज पुरोहित, गोपाल पुरोहित, महेश पुरोहित के द्वारा पोथी की पूजन और कथा पौथी को अपने सिर पर रख कर विदाई दी। विदाई की इस बेला में सप्तदिवसीय आनंद से शरोबार पुरोहित परिवार की आंखे नम हो गई।

गोवर्धन पूजा और छप्पन भोग

मानस बापू ने कथा प्रसंग में बताया कि, भगवान कृष्ण ने गोवर्धन की पूजा प्रारंभ करवाई और अपनी एक अंगूली पर गोवर्धन पर्वत को उठाया। उन्होनें गोवर्धन पर्वत की कथा के माध्यम से बताया कि आज के मनुष्य को ज्यादा चिंता नहीं करना चाहिए क्योंकी भगवान ने ही गोवर्धन पर्वत को उठाने के भाती आपकी सभी समस्याओं को उठा रखा है। यदि आप प्रभु के भरोसे कार्य करेगें तो कहीं कोई परेशानी नहीं आयेगी। गोवर्धन पर्वत की कथा के साथ छप्पन भोग का नैवेद्य भी लगाया गया। जिसकी प्रसादी सभी भक्तों में वितरीत की गई।

कृष्ण सुदामा की मित्रता

पं. धनराज जी ने बताया कि, भगवान कृष्ण ने मित्रता की तो ऐसी की के अपने मित्र को तीन लोक का स्वामी बना दिया। और उनका मित्र सुदामा ब्राम्हण भी ऐसा मिला की जिसे मित्रता के अलावा कुछ नहीं चाहिए। भगवान ने मित्रता की भी मिसाल पेश की है और जगत को बताया है कि मित्रता में कोई स्वार्थ नहीं होता है। इस प्रसंग को भी जीवंत रूप दिया गया और भक्तों को आनंद दिया गया।

गुरूदेव का सम्मान किया

सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का व्यासपीठ से सैकडों भक्तों का रसास्वादन कराने वाले परम पूज्य गुरूजी पं. धनराज जी का नगर के विभिन्न संगठनों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, पत्रकारों और राजनितिक संगठनों ने सम्मान किया। श्रीमद् भागवत कथा के विश्राम पर यजमान परिवार के द्वारा महाआरती का लाभ लिया गया और सभी भक्तों के लिए महाप्रसादी भोजन का आयोजन रखा गया। जिसका लाभ सभी भक्तों ने लिया। अंत में आभार प्रदर्शन पुरोहित परिवार द्वारा किया गया।

संपादकीय

भारत की आकांक्षाओं का हो सम्मान

ऐसे वक्त में जब प्रधानमंत्री की रूस व यूक्रेन यात्रा के बाद पश्चिमी जगत की प्रतिक्रिया को लेकर तरह-तरह के विमर्श पेश किए जा रहे थे, उस लिहाज से उनकी अमेरिका यात्रा के हासिल समझना कठिन नहीं है। अब चाहे क्वाड में भारत की सार्थक उपस्थिति हो या अपने कार्यकाल के अंतिम चरण में पहुंचे राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मोदी की केमिस्ट्री हो, उसकी देश-विदेश के मीडिया में चर्चा हुई। उन्हें सुनने उमड़ा विशाल भारतवंशी समुदाय उनकी लोकप्रियता के ग्राफ को दर्शाता है। अब भले ही मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर राजग व भाजपा के नेता कसीदे पढ़ रहे हों, लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रधानमंत्री के साढ़े चार मिनट के भाषण की चर्चा जरूर हुई है। उन्होंने प्रतीकों व प्रतिमानों के जरिये संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत, ग्लोबल साउथ की आवाज और चीन की समुद्री क्षेत्रों में दादागीरी व पाक के आंतकवाद पोषण को बिना नाम लिये उजागर किया। एक मायने में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को उसके मुख्यालय में आईना दिखाया कि विश्व में उभरती शक्तियों को संयुक्त राष्ट्र में न्यायोचित स्थान नहीं मिला। उन्होंने भारत की विशाल जनसंख्या, तेजी से बढ़ती आर्थिक हैसियत तथा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संयुक्त राष्ट्र में बड़ी भूमिका की जरूरत को बताया। संयुक्त राष्ट्र की 'समिट ऑफ द फ्यूचर' में दिया गया प्रधानमंत्री का भाषण पहली नजर में सपाट नजर आता है, लेकिन इसके जरिये दुनिया के बड़े देशों के लिये साफ संदेश निहित था। उन्होंने भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिये सुरक्षा परिषद के लिये दरवाजे बंद करने पर सवाल उठाए। उन्होंने भारत द्वारा सफलता से आयोजित जी-20 सम्मेलन में अफीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता दिये जाने का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र को भी नये विश्व की आकांक्षाओं का सम्मान करना चाहिए। उनका आग्रह था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की आवाज को सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम दुनिया की आबादी के छठवें हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं का जिक्र करते हुए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि कैसे देश ने दुनिया के सबसे बड़े चुनाव का बखूबी आयोजन किया। लेकिन दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र की संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे विकास का चेहरा मानवीय होना चाहिए। मानव कल्याण के लिये खाद्य, स्वास्थ्य व सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने भारत में गरीबी से निकाले गए करोड़ों लोगों का उदाहरण देते हुए कहा कि यह समावेशी विकास से ही संभव हुआ। साथ ही कहा कि हम यह अनुभव ग्लोबल साउथ के देशों के साथ साझा करने को तत्पर हैं। दरअसल, ग्लोबल साउथ के मायने हैं कि विकास की दौड़ में पीछे रह गए वे अफीका व लैटिन अमेरिकी देश, जिन्हें आर्थिक संबल की जरूरत है। जिनके लिये वर्ष 2023 में भारत 'वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट' का आयोजन कर चुका है। भारत ने अपने अनुभवों का लाभ इन देशों के साथ बांटने में उत्सकुता दिखायी। प्रधानमंत्री ने फिर दोहराया कि विश्व शांति व विकास के लिये जरूरी है कि वैश्विक संस्थाओं के स्वरूप में सुधार किया जाए। दूसरी शब्दों में कहें कि तो प्रधानमंत्री ने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता दिए जाने की वकालत की है। वहीं दूसरी ओर उन्होंने पाकिस्तान व चीन का नाम लिए बगैर साफ किया कि दुनिया की शांति व सुरक्षा के लिये आतंकवाद बड़ा खतरा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर इसके खिलाफ कार्रवाई की वकालत की।

श्रीलंकाई ससंदीय चुनावों से साफ होगी तस्वीर

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के राजनीतिक लक्ष्य अभी पूरे नहीं हुए हैं। यह लक्ष्य संसदीय चुनाव के बाद पूरा होना संभव है। श्रीलंका में 2022 के आर्थिक संकट के बाद पहला राष्ट्रपति चुनाव संपन्न हुआ, जिसमे वामपंथी अनुरा कुमारा दिसानायक को बम्पर जीत मिली है। नेशनल पीपुल्स पावर, सिंहली में जिसे 'जातिका जन बलवेगय', बोलते हैं, की स्थापना 2019 में हुई थी। संसद में इस पार्टी की हालत उस मोर की तरह है, जो नाचते हुए जब अपने पांव की ओर देखता है, ठहर जाता है। संसद में केवल तीन सांसदों के बूते अनुरा कुमारा दिसानायक कुछ भी कर पाने की स्थिति में नहीं हैं।

मंगलवार को नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) की सांसद डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। वह इस पद पर आसीन होने वाली 16वीं शख्सियत बन गईं। डॉ. हरिनी अमरसूर्या न्याय, शिक्षा, श्रम, उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और निवेश मंत्री के पोर्टफोलियो भी सम्भालेंगी। लेकिन यह सुनना थोड़ा अजीब लगेगा, कि प्रधानमंत्री के पद की शपथ लेने के चंद घंटों बाद श्रीलंका की संसद भंग कर दी जाएगी। अब संसदीय चुनाव दिसंबर में होंगे।

हालांकि, श्रीलंका में राष्ट्रपति, राज्य और सरकार दोनों का मुखिया होता है, लेकिन कार्यकारी राष्ट्रपति प्रणाली के कारण, दिसानायक को सारी चीजों को सुचारु रूप से चलाने के लिए सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होगी। श्रीलंका की 225 सदस्यीय मौजूदा संसद में अनुरा कुमारा दिसानायक की पार्टी के केवल तीन सांसद हैं। दक्षिणपंथी श्रीलंका पोदुजना पेरामुना के पास 225 सीटों में से 145 सीटों के साथ संसद में बहुमत रहा।

मंगलवार रात संसद भंग करने के बाद एनपीपी संसदीय चुनाव के लिए अपना अभियान शुरू करने की योजना बनाएगी। यदि एनपीपी दिसंबर में संसदीय चुनाव जीत जाती है, तो जो सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्र से सबसे अधिक वोट और निर्वाचित सांसदों के बीच सबसे अधिक समर्थन प्राप्त करता है, उसे नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाएगा। ऐसा नए राष्ट्रपति से सम्बद्ध सूत्रों ने जानकारी कोलम्बो से दी है।

तीन सदस्य और इतने सारे विभाग। नौकरशाही को चलाना भी इतना आसान नहीं, जहां संसद में एनपीपी के केवल तीन सदस्य हों। वरिष्ठ सांसद विजिता हेराथ और नए शपथ लेने वाले सांसद लक्ष्मण निपुण अराची को कई विभागों के साथ मंत्री नियुक्त किया जा चुका है। निपुण अराच्ची ने कल ही सांसद के रूप में शपथ ली। यह जगह कोलंबो निर्वाचन क्षेत्र में अनुरा कुमारा दिसानायके द्वारा रिक्त हुई थी। एनपीपी खेमे के सूत्रों ने कहा कि राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके संसद को भंग करने के बाद चुनाव की संभावित तिथि तय करेंगे। इस तिथि के बाद चुनाव आयोग नामांकन के लिए 10 से 17 दिनों का समय देगा।

श्रीलंका में चार मंत्रियों की एक अंतरिम कैबिनेट के बीच 15 विभागों का बंटवारा हो चुका है। राष्ट्रपति दिसानायक पर्यटन, रक्षा, वित्त, न्याय, उद्योग और निवेश संवर्धन विभागों को अपने पास रखेंगे, जबकि प्रधानमंत्री विदेश मामलों, शिक्षा और मास मीडिया के अलावा बाक़ी विभागों को दो अन्य साथियों के सुपुर्द करेंगी। नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के एक वरिष्ठ सूत्र ने कहा कि दो महीने तक शासन सुचारु रूप से चलाने की चुनौती रहेगी, लेकिन हमारे नेता ऐसे समय को भी ढंग से मैनेज कर लेंगे।

सबसे बड़ा सवाल है कि क्या श्रीलंका का निर्वाचन आयोग स्वतंत्र और दबावमुक्त है? श्रीलंका का मीडिया गाहे-बगाहे टीएन शेषन को याद करता है। वहां के दैनिक अख़बार डेली मिरर ने आज अपने सम्पादकीय में लिखा, 'भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के कार्यकाल के दौरान राजनेताओं को चुनाव कानूनों और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने का डर था। एक मामले में, मध्य प्रदेश के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान स्थगित कर दिया गया था, जहां एक कार्यरत राज्यपाल अपने बेटे के लिए प्रचार कर रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप अंततः राज्यपाल को इस्तीफा देना पड़ा। मैंने 'राजनेताओं को नाश्ते में खा लिया', शेषन प्रसिद्ध टिप्पणी थी।'

श्रीलंकन मेन स्ट्रीम मीडिया को अब भी लगता है कि भारत का निर्वाचन आयोग बिना किसी दबाव के काम करता है। उसकी वजह कोलम्बो में निर्वाचन आयुक्त का प्रेशर में बने रहना भी है। ताज़ा उदाहरण अभी का ही है, जब चुनाव आयोग के निर्देशों की अनदेखी करते हुए चुनाव अभियान के दौरान एस्टेट कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की गई थी। मतदाताओं को रिश्वत देने और सत्ता का दुरुपयोग जैसी बीमारी चालीस साल पुरानी है। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव ऐसे होते हैं, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति व्यक्तिगत रूप से चुनाव लड़ सकते हैं, या पद पर रहते हुए अपनी पार्टी के किसी सदस्य को चुनाव में खड़ा कर सकते हैं, जो समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। प्रांतीय परिषद और स्थानीय सरकार के चुनावों का समय व्यावहारिक रूप से कार्यपालिका द्वारा निर्धारित किया जाता है।

वर्ष 1982 से अब तक देश में हुए नौ राष्ट्रपति चुनावों में से कोई भी चुनाव समान अवसर वाले माहौल में नहीं हुआ है, क्योंकि उम्मीदवारों में से एक या उसकी पार्टी के नेता को पहले से ही मौजूदा राष्ट्रपति के रूप में पुलिस, सशस्त्र बलों, सभी मंत्रालयों और विभागों सहित पूरे राज्य तंत्र को ऐसे चुनावों के दौरान जुटाने का अधिकार दिया गया था। पूर्व राष्ट्रपति डीबी विजेथुंगा को छोड़कर, अन्य सभी राष्ट्रपतियों ने लगातार चुनावों में अपनी पार्टी के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपनी कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल किया। नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भी अपने भाषण में स्वीकार किया कि सत्ता पक्ष ने निर्वाचन आयोग को 'घर की मुर्गी' समझ रखा था।

पुष्परंजन

बहरहाल, इस बार के परिणाम में पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को ज़ोर का झटका धीरे से लगा है। रानिल विक्रमसिंघे भविष्य में होने वाले आम चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि पार्टी का मार्गदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यूएनपी के उपनेता रुवान विजेवर्धने और अध्यक्ष वजीरा अबेवर्देना ने कुछ समय पहले श्री विक्रमसिंघे द्वारा लिए गए निर्णय की पुष्टि की। रानिल विक्रमसिंघे अपनी पार्टी के मार्गदर्शक मंडल में रहकर यूएनपी का कितना उत्थान कर पाते हैं, उसे आने वाले वक्त पर छोड़ देते हैं।

संसद में श्रीलंका पोदुजना पेरामुना के पास 225 सीटों में से 145 सीटों का होना राजपक्षे कुनबे के दम्भ को बरक़रार रखे हुए है। 2.57 वोट प्रतिशत के साथ राजपक्षे का राइजिंग स्टार नमल, श्रीलंका के राजनीतिक क्षितिज से धूमकेतु की तरह ग़ायब हो चुका है। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे सोमवार को काठमांडो पहुंच गए। गोटबाया इसे 'निजी यात्रा' बताकर गए हैं। लेकिन गोटबाया का काठमांडो में चीनी कूटनीतिकों से मिलने का कार्यक्रम क्यों है? इस सवाल पर चुप्पी है।

कोविड की समग्र वैक्सीन की तलाश में वैज्ञानिक

दुनिया में कोरोना वायरस का खौफ खत्म हो चुका है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमें इस खतरनाक वायरस की मौजूदगी से बेफिक्र हो जाना चाहिए। यह वायरस निरंतर नई किस्मों में विकसित हो रहा है और नए म्यूटेशन अख्तियार कर रहा है। वायरस के नए उभरते हुए वेरिएंट वैज्ञानिकों और वैक्सीन निर्माताओं के समक्ष नई चुनौतियां पेश कर रहे हैं। मोडर्ना और फाइजर ने अपनी एमआरएनए आधारित वैक्सीन को अपडेट किया है जबकि नोवावैक्स की प्रोटीन आधारित वैक्सीन को एफडीए की मंजूरी मिल गई है। कुछ महीने पहले एस्ट्राजेनेका ने कुछ साइड इफेक्ट सामने आने के बाद अपनी वैक्सीन बाजार से वापस ले ली थी। इस समय उपलब्ध तमाम वैक्सीनें कोरोना वायरस के नए वेरिएंट और भविष्य के पेंडेमिक से निपटने में सक्षम नहीं हैं।

दरअसल, इन वैक्सीनों की सीमाओं को ध्यान में रखकर वैज्ञानिकों ने एक समग्र वैक्सीन विकसित करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। अमेरिका में आस्टिन स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एससी 27 नामक एंटीबॉडी की पहचान की है, जो कोविड-19 वायरस के सभी ज्ञात वेरिएंट को बेअसर करने में सक्षम है। यह खोज एक यूनिवर्सल वैक्सीन विकास और बेहतर उपचार की संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करती है। शोधकर्ताओं द्वारा खोजी गई एंटीबॉडी कोविड-19 के लिए जिम्मेदार वायरस, सार्सकोव-2 के सभी ज्ञात वेरिएंट और विभिन्न जानवरों में पाए जाने वाले कई अन्य सार्स जैसे कोरोना वायरस को बेअसर करने में सक्षम है।

टेक्सास विश्वविद्यालय के नेतृत्व में विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं ने वायरस के खिलाफ हाइब्रिड इम्यूनिटी पर अध्ययन किया है। हाइब्रिड अथवा मिश्रित इम्यूनिटी उन लोगों में होती है जिन्हें वैक्सीन लग चुकी हो और साथ ही उनमें वायरस का हल्का संक्रमण भी हुआ हो। अध्ययन के दौरान अनुसंधान टीम ने एक मरीज से एससी 27 एंटीबॉडी की खोज की और उसे अलग किया। एंटीबॉडी प्रतिक्रिया पर कई वर्षों के शोध में विकसित तकनीक का उपयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने एंटीबॉडी का सटीक आणविक अनुक्रम प्राप्त किया। इससे भविष्य के उपचारों के लिए इस एंटीबॉडी को बड़े पैमाने पर बनाने का रास्ता खुल गया। इस अध्ययन में शामिल एक विज्ञानी जेसन लविंदर ने कहा, एससी 27 और भविष्य में इसके जैसी अन्य एंटीबॉडी की खोज से हमें वर्तमान और भविष्य के कोविड वेरिएंट के खिलाफ आबादी की बेहतर सुरक्षा करने में मदद मिलेगी।

कोविड-19 की खोज के बाद चार साल के दौरान इस महामारी को पैदा करने वाले वायरस का तेजी से विकास हुआ है। इसके प्रत्येक नए वेरिएंट ने अलग-अलग विशेषताएं दर्शाई हैं जिनकी वजह से कई वेरिएंट टीकों और अन्य उपचारों के प्रति अधिक प्रतिरोधी हो गए हैं। सुरक्षात्मक एंटीबॉडी वायरस के एक हिस्से से बंधती है जिसे स्पाइक प्रोटीन कहा जाता है जो वायरस के शरीर में कोशिकाओं से जुड़ने और उन्हें संक्रमित करने के लिए एक एंकर पॉइंट के रूप में कार्य करता है। एंटीबॉडी स्पाइक प्रोटीन को अवरुद्ध करके, इस वायरस के संक्रमण को रोकती हैं। एससी 27 की खूबी यह है कि यह कई कोविड वेरिएंट में स्पाइक प्रोटीन की विभिन्न विशेषताओं को पहचान लेती है। यद्यपि महामारी का सबसे बुरा दौर बीत चुका है, फिर भी लोगों को वायरस से बचने और उसका इलाज करने में मदद करने के लिए नवीन समाधानों की आवश्यकता है। इस दिशा में नई एंटीबॉडी की खोज एक महत्वपूर्ण कदम है।

एक अन्य अध्ययन में कोरोना वायरस के बारे में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। यह वायरस वन्य जीव प्रजातियों में व्यापक रूप से फैला हुआ है। एक नए शोध के अनुसार छह आम प्रजातियों में यह वायरस पाया गया है। इसके अलावा वायरस के पिछले संपर्क को इंगित करने वाली एंटीबॉडी पांच प्रजातियों में पाई गई, जिनमें अलग-अलग प्रजातियों में जोखिम की दर 40 से 60 प्रतिशत तक थी।

नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित वर्जीनिया टेक की रिसर्च के अनुसार जंगली जानवरों में आनुवंशिक निगरानी ने सार्स-कोव-2 की उपस्थिति की पुष्टि की। इस निगरानी ने वायरस के म्यूटेशन (आनुवंशिक परिवर्तन) की भी पुष्टि की जिनका संबंध उस समय मनुष्यों में प्रसारित होने वाले वेरिएंट से मिलती-जुलती किस्मों के साथ था। इससे वैज्ञानिकों की यह धारणा मजबूत हुई है कि मनुष्यों से जानवरों में इस वायरस का संचार हुआ है। वर्जीनिया टेक कैरिलियन (वीटीसी) के वैज्ञानिकों के अनुसार सार्सकोव-2 का सबसे अधिक संपर्क हाइकिंग वाले मार्गों और उच्च-यातायात वाले सार्वजनिक क्षेत्रों के आसपास के जानवरों में पाया गया। इससे पता चलता है कि यह वायरस मनुष्यों से वन्य जीवों में फैला।

शोधकर्ताओं का कहना है कि ये निष्कर्ष वन्य जीवों में सार्सकोव-2 के नए म्यूटेशन की पहचान और व्यापक निगरानी की आवश्यकता को उजागर करते हैं। ये म्यूटेशन अधिक हानिकारक और संक्रामक हो सकते हैं, जिससे वैक्सीन विकास के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

वैज्ञानिकों ने जोर देकर कहा कि उन्हें जानवरों से मनुष्यों में वायरस के संचारित होने का कोई सबूत नहीं मिला है और लोगों को वन्य जीवों के साथ सामान्य संपर्क से नहीं डरना चाहिए। शोधकर्ताओं ने सक्रिय संक्रमण और पिछले संक्रमणों का संकेत देने वाले एंटीबॉडी के परीक्षण के लिए वर्जीनिया में जानवरों की 23 प्रजातियों की जांच की। उन्हें चूहों, खरगोश और चमगादड़ की स्थानीय किस्मों और वर्जीनिया ओपोसम (मार्सुपियल श्रेणी का स्तनधारी जीव) में वायरस के लक्षण मिले। एक ओपोसम से अलग किए गए वायरस ने जो म्यूटेशन दिखाए, वे पहले जानकारी में नहीं आए थे। वायरस एक चाबी की तरह है और जिन कोशिकाओं को यह संक्रमित कर सकता है वे ताले की तरह हैं। वायरस किसी भी जानवर की किसी भी कोशिका को संक्रमित नहीं कर सकता। उसे सही 'लॉक' (रिसेप्टर) वाली कोशिका खोजने की जरूरत होती है या उसे नए लॉक को फिट करने के लिए अपनी चाबी (वायरल प्रोटीन) को बदलना पड़ता है। एक चाबी को नए ताले में फिट होने के लिए म्यूटेशन प्राप्त करके आकार बदलने की आवश्यकता होती है।

मुकुल व्यास

शोधकर्ताओं ने सार्सकोव-2 में मौजूद 'चाबियों' के साथ यही देखा जब वायरस ने ओपोसम और गिलहरी जैसी जंगली प्रजातियों में छलांग लगाई। वायरल प्रोटीन ने कम से कम दो म्यूटेशन प्राप्त किए। इस अध्ययन से जुड़ी एक वैज्ञानिक कार्ला फिंकेलस्टीन ने कहा, जब मनुष्य वन्य जीवों के संपर्क में होते हैं, तो वायरस उनसे वन्य जीवों में कूद सकता है। वायरस का लक्ष्य जीवित रहने के लिए अपना प्रसार करना है। वह अधिक से अधिक मनुष्यों को संक्रमित करना चाहता है, लेकिन टीकाकरण कई मनुष्यों की रक्षा करता है। इसलिए वायरस जानवरों की ओर मुड़ता है और नए मेजबानों में पनपने के लिए म्यूटेशन करता है।

लग्जरी लाइफ जीने के चक्कर में खाकी पर चढ़ा 'काले सोने का रंग'

माही की गूंज, मंदसौर।

मंदसौर अफीम का गढ़ है। इस अफीम की मादकताओं वाली हवाओं के बीच तस्करी को रोकने का काम पुलिस कर रही है। जो आंकड़े भी बंया कर रहे है। लेकिन कई पुलिस अधिकारी से लेकर पुलिसकर्मी लग्जरी लाइफ जीने के शोक और जल्द रूपयों कमाने को लेकर कब तस्करों से मिल जाते है। पुलिस के आलाअधिकारियों को पता नहीं लगता है।

हाल ही में ही एक आरक्षक कीर्ति जाट डोडाचूरा की तस्करी करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार हुआ। यह तो एक महज बानगी है। ऐसे कई पुलिस अधिकारी एवं पुलिसकर्मी है। जिन पर अवैध मादक पदार्थ के वाहन निकालने और खड़े तोड़ के आरोप लगे है। बकायदा उन पर कार्रवाईयां भी हुई है। लेकिन वे आज भी कई थानों में पदस्थ है। जबकि ऐसे दागियों को जिले से बाहर स्थानातंरण पुलिस विभाग के आलाअधिकारियों को करना चाहिए। ताकि खाकी पर दाग ना लगे।

मंहगा मोबाइल, कपड़े से लेकर कार का शोक

जिले में तस्करों और पुलिस के गठजोड़ की कहानी कई बार उजागर हुई है। तो कुछ पर गंभीर आरोप भी लगे ह। इसका सबसे प्रमुख कारण है कि वह जिंदगी जीना जिसे लग्जरी लाइफ कहते है। इसमें मंहगे मोबाइल, जूते, ब्रांडेड कपड़े, कार और मंहगी शराब का सेवन करना है। कुछ पुलिस अधिकारियों ने तो जिले के अंदर ही प्रोपर्टी में बड़ा इन्वेस्टमेंट कर रखा है। जो जानकारों के माध्यम से किया। जिसके चलते आसानी से उनको कोई पकड़ नहीं सकता है। सूत्रों की माने तो कुछ पुलिसकर्मियों के घर ऐसे बने है। जिनको देखते ही एक मिनिट के लिए सांस रूक जाती है। ये वे चर्चित चेहरे है जो एनडीपीएस के एक्सपर्ट है।

3 तीन सालों में हो चुके 12 बर्खास्त

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सूत्रों की माने तो 2022 से लेकर आज तक 12 पुलिसकर्मियों को बर्खास्त किया गया है। इनमें से कोई तस्करी में शामिल तो किसी ने खड़ा तोड़ तो किसी पुलिसकर्मी ने शराब पीकर मारपीट सहित अन्य आरोप सिद्ध हुए तो उनको बर्खास्त कर दिया गया। यह तो बहुत छोटा आंकड़ा है। ऐसे में उन पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मी की सूची निकाली जाई जिनको पुलिस अधीक्षक या डीआईजी ने सजा दी है। वह सूची लंबी है।

उपनिरीक्षक से लेकर आरक्षक पर लगे आरोप

जिस तरह एसडीओपी से लेकर थानाप्रभारियों के एक जिले में एक समयावधि तक काम करने के लिए नियम है। उस तरह के नियम उपनिरीक्षकों से लेकर आरक्षकों के स्थानातंरण को लेकर नहीं है। जिले में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी में कई उपनिरीक्षकों से लेकर आरक्षकों पर आरोप लगे है। जिन पर लाइन अटैच जैसे कार्रवाई भी हुई है। कुछ के स्थानातंरण हुए तो वे वापस जिले में स्थानातंरण करवाकर आ गए। ऐसे में पुलिस के आलाअधिकारी पिछले 10 साल में कितने उपनिरीक्षकों से लेकर आरक्षकों पर ऐसे मामलों को लेकर कार्रवाई हुई है। उसको समीक्षा करें और उन पर अन्य जिलों में स्थानातंरण की कार्रवाई करें तो कुछ हद तक यह मिलीभगत का खेल भी रूक सकता है।

इनका कहना...

एसपी का कहना है कि, जिन पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों पर इस तरह के आरोप लगे है। जिनको जांच के बाद सजा मिली है। एक निश्चित समयावधि की सूची बनाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

8 किलोमीटर पैदल चल कर कलेक्टर के पास पहुंचीं छात्राएं

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम में टीचर की शिकायत लेकर कन्या शिक्षा परिसर की छात्राएं आठ किमी पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं। यहां उन्होंने कलेक्टर से अपने शिक्षकों की शिकायत की। छात्राओं की शिकायत सुनकर कलेक्टर ने भी मौके पर ही फैसला करते हुए हॉस्टल सुपरिटेंडेंट को सस्पेंड कर दिया।

रतलाम कलेक्टर राजेश बाथम ने बताया, मंगलवार को जनसुनवाई चल रही थी। इसी दौरान स्थानीय कन्या शिक्षा परिसर सगोद रोड की छात्राएं स्कूली ड्रेस में उनके पास पहुंची। इसके बाद कलेक्टर ने उन्हें अपने चेंबर में बिठाया और जब उनसे बातचीत की तो उनकी समस्या सुनकर कलेक्टर भी हैरान रह गए।

छात्राओं ने की ये शिकायत

छात्राओं ने बताया, वो पढ़ाई करना चाहती हैं, लेकिन फिजिक्स, केमिस्ट्री और अन्य विषयों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। इसके लिए छात्राओं ने हॉस्टल सुपरिटेंडेंट को भी जिम्मेदार ठहराया। छात्राओं की शिकायत सुनकर हॉस्टल सुपरिटेंडेंट सुनीता हारी को कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इसके अलावा प्रिंसिपल गणतंत्र मेहता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कलेक्टर ने शिक्षकों को बदलने के भी निर्देश जारी किए हैं। इसके अलावा साइंस विषय के लिए शिक्षकों के पैनल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर राजेश बाथम ने बताया कि छात्राएं काफी सक्रिय हैं। वो आवासीय परिसर में पढ़ाई करती हैं। उन्होंने न्यूज पेपर में पढ़ा था कि जनसुनवाई के दौरान सरकार लोगों की समस्या का निदान करती है।

इसी के चलते सभी एकजुट होकर मंगलवार को उनके दफ्तर पहुंच गईं। कलेक्टर ने कहा कि, जब छात्राओं की समस्या का हल हो गया तो उन्होंने धन्यवाद भी दिया। इसके बाद कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर शालिनी श्रीवास्तव ने उन्हें इंडियन कॉफी हाउस ले जाकर नाश्ता भी कराया। इसके बाद छात्राएं हॉस्टल लौटीं।

हथियार लेकर घूम रहे तीन युवक गिरफ्तार, मैग्जीन सहित तीन पिस्टल बरामद

माही की गूंज, रतलाम।

शहर के औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने सैलाना रोड से कार में हथियार लेकर जा रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से मय मैग्जीन के तीन पिस्टल व पांच जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। आरोपित हथियार कहां से लाए थे तथा कहां लेकर जा रहे थे। यह उन्होंने नहीं बताया। उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि, सैलाना रोड पर डेलनपुर की तरफ से कार में तीन व्यक्ति हथियार के साथ कार से आ रहे थे। कार रोककर उनसे पूछा गया तो, इस पर उन्होंने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। शंका होने पर तीनों को कार से बाहर निकालकर तलाशी ली गई तो पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद हुआ। दानिक के पास पिस्टल तथा उसकी मैग्जीन में तीन जिंदा कारतूस, जावेद के पास एक पिस्टल व उसकी मैग्जीन में एक जिंदा कारतूस तथा अहमद के पास भी एक पिस्टल व एक जिंदा कारतूस मिला। आरोपितों से हथियार जब्त कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपितों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

एसपी ने बताया कि, आरोपितों ने यह नहीं बताया कि वे पिस्टल व कारतूस कहां से तथा किससे लेकर आए थे। वे उनका क्या उपयोग करने वाले थे। हथियार मामले से और कौन लोग जुड़े हैं। उक्त सभी बिंदुओं पर आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

ब्रेक फेल होने से ट्रक ने मचाया कोहराम, कई वाहन कर दिए चकनाचूर

माही की गूंज, शाजापुर। ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर लुढक़े ट्रक ने क्षेत्र में जमकर कोहराम मचाया और इस दौरान रोड किनारे खड़े एक दर्जन से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि वैल्डिंग कारखाने के बाहर रखी पलंग पेटियां चकनाचूर हो गईं। वहीं घटना में एक पालतू कुत्ते की भी मौत हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

मंगलवार सुबह हाट मैदान रोड पर ट्रक बंसी टॉकिज की घाटी चढ़ रहा था, तभी उसके ब्रेक फेल हो गए और ट्रक अनियंत्रित होकर तेजी से रिवर्स में लुढक़ने लगा। इस दौरान रोड किनारे खड़े करीब चार ऑटो रिक्शा, एक लोडिंग वाहन, छह बाइक और वैल्डिंग कारखाने के बाहर रखी लोहे की पलंग पेटियां नष्ट हो गईं। ट्रक के अनियंत्रित होकर तेजगति से लुढक़ने पर लोग अपनी जान बचाकर इधर-उधर भागते नजर आए। वहीं सूचना मिलने पर यातायात पुलिस भी मौके पर पहुंची।

स्थानीय दुकानदार और रहवासियों ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में प्रतिदिन ऑवरलोड वाहन आते हैं जिसकी वजह से हमेशा हादसे का अंदेशा बना रहता है। सुबह के समय भी ट्रक के अनियंत्रित होने से भारी नुकसान हुआ है। हालांकि गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नही हुई। रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में दिनभर आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में बड़े ऑवरलोड वाहनों की रोकथाम को लेकर कार्रवाई की जानी चाहिए। यातायात पुलिस ने समस्या के समाधान की बात कही है।

सांड की लड़ाई में घायल अधेड़ की मौत

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में दो दिन पहले हुई सांड की लड़ाई का खामियाजा एक व्यक्ति को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। दो दिन सांड की लड़ाई में घायल बुजुर्ग ने इलाज के दौरान बुधवार सुबह दम तोड़ दिया। घटना से आक्रोशित परिजनों व क्षेत्रवासियों रविदास चौक पर शव रख नगर निगम के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों ने अवैध तबेले हटाने की मांग की। महापौर और अधिकारियों के आश्वासन बाद मामला शांत हुआ और परिजन शव लेकर मुक्तिधाम के लिए रवाना हुए।

रतलाम के तेजाजीनगर निवासी मोहनबाई पति ज्ञान सिंह गुगलिया उम्र 75 वर्ष तथा उनका बेटा राजेश उम्र 55 वर्ष दोनों रविवार को घर के बाहर बैठे थे। इसी दौरान अचानक सांड लड़ते हुए आए और मां बेटे पर हमला कर दिया, जिससे दोनों मां-बेटे घायल हो गए। जिन्हें परिजन तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से मां को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं, बेटे राजेश को अंदरूनी चोट लगने की वजह से जिला चिकित्सालय में भर्ती कर लिया गया था, जहां राजेश का इलाज जारी था। बुधवार सुबह छह बजे राजेश की मौत हो गई। उसके बाद अक्रोशित परिजनों और क्षेत्रवासियों ने रविदास चौक पर शव रखकर प्रदर्शन करते हुए नगर निगम के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

सूचना मिलने पर एसडीएम अनिल भाना, नगर निगम कमिश्नर हिमांशु भट्ट सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आक्रोशित लोगों से चर्चा की। इस दौरान क्षेत्रवासियों और एसडीएम अनिल भाना के बीच बहस भी हुई। लोगों ने एसडीएम पर गाली-गलौज का भी आरोप लगाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए महापौर प्रहलाद पटेल भी पहुंचे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने महापौर और निगम अफसरों को चूड़ियां दिखाईं। महापौर प्रहलाद पटेल ने परिजनों और रहवासियों से वादा किया है कि अवैध तबेलों पर कार्रवाई की जाएगी, जिसके बाद परिजन और क्षेत्रवासी माने और शव लेकर मुक्तिधाम के लिए रवाना हुए।

मृतक की बहन कविता ने बताया कि राजेश फेरी लगाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी शादी भी नहीं हुई थी। भाई दो दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहा। किसी अधिकारी ने आकर सुध नहीं ली। नगर निगम कमिश्नर हिमांशु भट्ट ने कहा कि किसी का भी पालतू पशु शहर की सड़कों पर विचरण करते हुए पाया जाएगा, तो उसे पकड़ लिया जाएगा। जिनके पास तबेले नहीं हैं, उनके खिलाफ न सिर्फ कार्रवाई की जाएगी, बल्कि प्रकरण दर्ज करवाएंगे।

लहसुन चोरी के शक में शख्स को दी तालिबानी सजा

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में एक शख्स को लहसुन चोरी के आरोप में तालिबानी तरीके से सजा देने की घटना सामने आई है। घटना कृषि उपज मंडी दफ्तर के बाहर की है, जहां लगभग आधा दर्जन लोगों ने युवक को बेरहमी से पीटा, उसके कपड़े फाड़ दिए तथा इसके बाद उसे नग्न कर खंभे से बांधकर पिटाई की।

इस के चलते मौके पर उपस्थित भीड़ में से कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो कब का है, इसका पता अभी नहीं चल पाया है, मगर पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर पीड़ित की तलाश आरम्भ कर दी है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि तकरीबन आधा दर्जन लोग युवक को पीट रहे हैं, जबकि वह हाथ जोड़कर माफी मांग रहा है। हमलावर उसके कपड़े फाड़ते हुए उसे नग्न कर रहे हैं एवं उसके पेट पर पैर रख रहे हैं। फिर युवक को खंभे से बांधकर और भी पीटा गया। युवक बार-बार अपनी जान की भीख मांगता रहा, मगर किसी ने उसकी नहीं सुनी। घटना मंडी कार्यालय के मुख्य गेट के बाहर की बताई जा रही है, किन्तु मंडी के अफसर एवं सुरक्षा कर्मी बचाव के लिए सामने नहीं आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक पर लहसुन चोरी का आरोप था एवं उसे रंगे हाथों पकड़ने के पश्चात् भीड़ ने उसे मंडी के शेड से लेकर कार्यालय तक पीटते हुए लाया तथा फिर वहां जमकर पिटाई की। अब तक पुलिस को इस घटना की कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है, मगर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने तहकीकात आरम्भ कर दी है। यशोधर्मन नगर थाना पुलिस पीड़ित की तलाश में जुटी है तथा पुलिस का कहना है कि पीड़ित के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्यास बुझाने के लिए बनी ७ करोड़ की टंकी, अब जान के लिए बनी आफत...

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में बरसों पहले बनी एक विशालकाय पानी की टंकी आज भी शो पीस बनकर खड़ी है, जिसका इस्तेमाल अब तक नहीं हो सका है। आरोप है कि इस टंकी को बनाते समय मिट्टी का परीक्षण नहीं किया गया था जिसके चलते पहली बार टंकी में पानी भरा गया तो यह झुकने लगी और आसपास बने कोर्ट परिसर की बिल्ंडिगों में दरारें पड़ गईं। तब से इस टंकी को कभी भी इस्तेमाल में नहीं लिया गया है। ये टंकी 26 लाख गैलन पानी की क्षमता वाली है और इसे संभाग की सबसे बड़ी टंकी के रूप में देखा जाता है। मौजूदा समय में टंकी के निर्माण की लागत लगभग सात करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि इसे बनाने के लिए नगर पालिका ने तत्कालीन ठेकेदार को तीन करोड़ पचयासी लाख रुपये का भुगतान किया था। इतनी महंगी और बड़ी टंकी बनाने के बावजूद, इसके इस्तेमाल न होने से नगर पालिका पर लापरवाही जैसे भी सवाल उठ रहे हैं।

हादसे के डर से खाली पड़ी टंकी

टंकी के पास ही स्थानीय कोर्ट परिसर है जहां दिनभर हजारों लोगों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में अगर किसी दिन इस टंकी में पानी भरा जाता है और टंकी के झुकने या दरारों के कारण कोई हादसा होता है, तो बड़ी जनहानि की आशंका है। लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अब तक टंकी में पानी नहीं भरा गया है।

जांच के बाद ही होगा फैसला

नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि टंकी के आसपास की बिल्ंडिगों में दरार आने और टंकी के झुकने की शिकायत के बाद इसे इस्तेमाल में नहीं लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले की जांच एक और दल करेगा और उसकी फाइनल रिपोर्ट आने के बाद ही टंकी के इस्तेमाल को लेकर फैसला लिया जाएगा।

उम्मीदों की टंकी बनी शोपीस

ये टंकी जो कभी मंदसौर शहर के लिए पानी की बड़ी जरूरत को पूरा करने के मकसद से बनाई गई थी। आज स्थानीय जनता के लिए चिंता का विषय बन गई है। अब सभी की निगाहें उस जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिसके बाद यह तय होगा कि इस विशालकाय टंकी का इस्तेमाल कभी हो पाएगा या नहीं।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय सेवा योजना का 55वां स्थापना दिवस मनाया

माही की गूंज, बड़वानी।

शासकीय कन्या महाविद्यालय बड़वानी में राष्ट्रीय सेवा योजना का 55वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉण् एनएल गुप्ता ने कहा कि स्वयंसेवक स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें।पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉण् स्नेहलता मुझाल्दा ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का बैच सूर्य मंदिर के रथ का प्रतीक हैए जो 24 पहियों और 8 तीलियों का हैए दर्शाता है कि राष्ट्र सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।आईक्यूएससी कोऑर्डिनेटर डॉण् जगदीश मुजाल्दे ने विद्यार्थियों से राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य को समझने की अपील कीए जबकि डॉण् महेश कुमार निंगवाल ने अनुशासन के महत्व पर जोर दिया।इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों और छात्राओं ने भी भाग लिया।

खकनार में दिव्यांगजन परीक्षण शिविर, 123 का पंजीयन

माही की गूंज, बुरहानपुर।

आज जनपद पंचायत खकनार प्रांगण में दिव्यांगजन परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कलेक्टर भव्या मित्तल के निर्देशानुसार सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम ;एलिम्कोद्ध उज्जैन द्वारा आयोजित किया गया।शिविर में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और कृत्रिम अंग प्रदान किए जाने के लिए चिन्हांकन किया गया। उपसंचालक दुर्गेश दुबे ने बताया कि शिविर में 123 दिव्यांगजनों का पंजीयन हुआ। इसमें 36 यूडीआईडी कार्डए 3 बस पासए 15 पेंशनए 13 नवीनीकरणए 23 नवीन आवेदनए और 16 सहायक उपकरण हेतु आवेदन प्राप्त हुए।कार्ययोजना के अनुसार नगर पालिका परिषद नेपानगर के अंतर्गत नेपा ऑडिटोरियम में 26 सितम्बर को दिव्यांगजनों का परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा।

जिले की घटना को गंभीरता से लिया, छात्रावास अधीक्षक और सहायक आयुक्त निलंबित

माही की गूंज, धार।

इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह ने धार जिले के सरदारपुर विकासखंड के रिंगनोद छात्रावास में दो छात्रों की करंट लगने से हुई मृत्यु की गंभीरता से लिया है। उन्होंने धार जिले के सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग और छात्रावास अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।सभी जिलों के छात्रावासों के अधीक्षकों और अधिकारियों को सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उदासीनता और लापरवाही को अक्षम्य मानते हुएए संबंधितों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी।इस घटना में छात्रावास के अधीक्षक बनसिंह कनौज और प्रभारी सहायक आयुक्त ब्रजकांत शुक्ला को निलंबित किया गया है। शुक्ला पर वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा.निर्देशों का पालन न करने और कर्तव्यों में लापरवाही के आरोप लगे हैं।

हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की महिला चिकित्सकों द्वारा की जांच

माही की गूंज, खंडवा।

प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल ने बताया कि बुधवार को जिले के सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच और उपचार किया गया।इस अभियान का उद्देश्य प्रसव पूर्व देखभाल की गुणवत्ता को बढ़ावा देना है। गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांचए निदान और परामर्श सेवाओं की उपलब्धता के लिए हर महीने 9 और 25 तारीख को प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान का संचालन किया जाता है। इस प्रक्रिया के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जाता है।

कलेक्टर ने ओंकारेश्वर के ब्रह्मपुरी घाट पर किया श्रमदान

माही की गूंज, खंडवा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बुधवार को ओंकारेश्वर के ब्रह्मपुरी घाट पर कलेक्टर अनूप कुमार सिंह ने श्रमदान कर सफाई की। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉण् नागार्जुन बीण् गौड़ाए संयुक्त कलेक्टर अंशु जावला सहित विभिन्न अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहाँ श्रद्धालुओं की भारी संख्या रहती हैए जिससे घाटों पर गंदगी उत्पन्न होती है। उन्होंने स्थानीय नागरिकोंए दुकानदारोंए होटल संचालकों और धर्मशालाओं के संचालकों से अपील की कि वे अपने शहर को स्वच्छ रखें ताकि ओंकारेश्वर एक स्वच्छ धार्मिक स्थल के रूप में जाना जा सके।

कलेक्टर ने ब्रह्मपुरी घाट पर भूमि का समतलीकरण करने के निर्देश दिए ताकि यहां की व्यवस्था बेहतर हो सके। इसके अलावाए पुनासा एसडीएम को अवैध अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश दिए गएए ताकि श्रद्धालुओं की सुविधाओं में सुधार हो सके।

कलेक्टर ने किया देवमोगरा माता कृषि विकास केन्द्र का भ्रमण

माही की गूंज, बड़वानी।

डॉ. राहुल फटिंग ने भारत सरकार की सेंट्रल सेक्टर स्कीम 10ए000 एफपीओ और संवर्धन के तहत नाबार्ड और सीबीबीओ कृषि विकास के सहयोग से स्थापित देवमोगरा माता कृषि विकास फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी खेतिया का भ्रमण किया। इस दौरान कलेक्टर ने बोर्ड मेम्बरों के साथ कम्पनी द्वारा किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

संस्थान के सदस्यों ने बताया कि खाद, दवाई, बीज इनपुट सदस्य किसानों को रियायती दर पर उपलब्ध कराया जाता है। साथ हीए संस्था की कृषि उपज जैसे हरी मिर्च दुबई एक्सपोर्ट की गई हैं। कलेक्टर ने एक्सपोर्ट की प्रक्रिया के बारे में जाना और एफपीओ के आगे की योजनाओं पर चर्चा कीए साथ ही बोर्ड मेम्बरों को अच्छे कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया।

देवमोगरा माता एफपीओ को सीबीबीओ कृषि विकास ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थाए मलकापुर द्वारा मार्गदर्शन किया जा रहा है। बैठक में नाबार्ड जिला विकास प्रबंधक विजेंद्र मोरेए उपसंचालक कृषि आरएल जामरेए कृषि विकास ग्रामीण प्रशिक्षण संस्था के प्रोग्राम समन्वयक रवि पाटिलए और कंपनी के सभी बोर्ड मेम्बर्स और सदस्य उपस्थित थे।

क्षेत्र में मानसून पुनः सक्रिय, तेज हवा के साथ मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित

माही की गूंज, आम्बुआ।

क्षेत्र से वर्षा मानो विदा हो चुकी थी पिछले दो हफ्तों से क्षेत्र में तेज उमस एवं गरमी के कारण लोग परेशान हो रहे थे ग्रामीण क्षेत्रों में कृषक पकी हुई फसलों को समेटने में जुट गए थे कि 23 सितंबर की शाम अचानक ही आसमान पर काले बादल छाए तथा तेज गड़गड़ाहट के साथ हुई बारिश ने क्षेत्र को तरबत कर दिया। दूसरे दिन 24 सितंबर को पुनः शाम को वर्षा हुई इसी रात लगभग 11 बजे तेज़ हवा के साथ मूसलाधार बारिश हुई इस वर्षा से खेतों में खड़ी कुछ फसलों को फायदा होगा तो कुछ फसलें जो कि कटो पड़ी है उनके खराब होने की संभावना बनती नजर आ रही है इस कारण कृषकों में घबराहट देखी जा रही है। इस बारिश से आम्बुआ में चल रही श्री महाशिव पुराण कथा में भी व्यावधान आया और दो दिनों तक टेंट गिरता रहा। इस बारिश से नदी नालों में पुनः तेज बहाव देखा जा रहा है।

महाविद्यालय में मनाया रासेयो स्थापना दिवस

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

शासकीय महाविद्यालय चंद्र शेखर आजाद नगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने राष्ट्रीय सेवा योजना का 55 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती व युवाओं के प्रेरणा पुरूष स्वामी विवेकानंद जी के तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वल के साथ हुई। रासेयो बैच लगाकर अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके पश्चात लता एंड ग्रुप ने लक्ष्य गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के प्राचार्य डॉ. एसएस डोडवे ने अपने उद्बोधन में कहा कि, राष्ट्रीय सेवा योजना देश सेवा का माध्यम है जहां आप अपने व्यक्तिव विकास के साथ समाज सेवा और देश सेवा कर सकते है। प्रशासनिक अधिकारी प्रो एम एस डोडवा ने विद्यार्थी को अपने जीवन के उदाहरण देकर लक्ष्य निर्धारित करने के बात कह। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो कमलेश गणावा ने रासेयो के दर्शन, लक्ष्य, महत्व को समझाया। डॉ. नवनीत सांकला ने विद्यार्थियों को सजग रह कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने को कहा। कार्यक्रम में डॉ. रेशम बघेल व स्टाफ तथा रासेयो वालंटियर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वालंटियर्स देवराज चौहान व संदीप गणावा ने किया।

विश्व सांकेतिक भाषा दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम

माही की गूंज, धार। कलेक्टर प्रियंका मिश्रा के निर्देशानुसारए विश्व सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर सरदारपुर के दिव्यांग छात्रावास बरमखेडी में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग बच्चोंए विशेषकर मूक.बधिर बच्चों की शिक्षा और विकास को प्रोत्साहित करना है।कार्यक्रम में लायंस क्लब की महिला सदस्य ने छात्रावास को 5 सीलिंग फैनए स्कूल बैग और चप्पलें प्रदान कीं। ग्रामवासियोंए स्थानीय सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव ने आरण्ओण् वाटर प्लांट के लिए 50 हजार रुपये से अधिक राशि एकत्रित की।इस अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों के बीच खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। सभी उपस्थित नागरिकोंए शिक्षकोंए और अधिकारियों ने दिव्यांग बच्चों के साथ भोजन किया। कार्यक्रम में डीण्पीण्सीण् प्रदीप खरेए दिव्यांग शाखा प्रभारी एण्पीण्सीण् प्रवीण शर्माए और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

विधिक जागरूकता सह साक्षरता शिविर का आयोजन

माही की गूंज, बुरहानपुर। राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसारए केन्द्रीय विद्यालय बुरहानपुर में विधिक जागरूकता सह साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशिता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।जागरूकता शिविर में मुख्य अतिथि कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश शेख सलीम ने बच्चों को जीवन में अनुशासन अपनाकर सफलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज विभिन्न क्षेत्रों में अवसरों की भरमार हैए और हमें उन अवसरों को पहचानकर भीड़ से अलग सोच रखकर अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।विशेष अतिथि जिला न्यायाधीश इन्दु कान्त तिवारी ने नालसा ;बच्चों से मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजनाद्ध 2015ए लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियमए मोटरयान दुर्घटना अधिनियम आदि के संबंध में बच्चों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विधि का पालन करने और जागरूक बनने के महत्व पर जोर दियाए साथ ही बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए।शिविर में केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्यए स्टाफए और स्कूली छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों में रखा जाए गुणवत्ता का विशेष ध्यान . कलेक्टर

माही की गूंज, बड़वानी

जिले में होने वाले शासकीय भवनों के निर्माण कार्यों में सभी निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखना होगा। किसी भी स्थिति में कार्य की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। साथ हीए निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों को भवन का कार्य पूर्ण होने के पश्चात उसे हैंडओवर कर संबंधित विभागीय कार्यालय को प्रारंभ करना होगाए ताकि शासन की योजनाओं का लाभ रहवासियों को मिल सके। कलेक्टर डॉण् राहुल फटिंग ने बुधवार को विकासखण्ड पानसेमल के दौरे के दौरान निर्माण एजेंसियों के पदाधिकारियों से ये बातें कहीं।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अब तक निर्मित सभी भवनों का निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता का परीक्षण किया और समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। विकासखण्ड पानसेमल के दौरे के दौरान कलेक्टर ने ग्राम भातकी में निर्माणाधीन उचित मूल्य की दुकान और ग्राम बांदरियाबड़ में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान पानसेमल के एसडीएम रमेश सिसोदियाए जनपद पंचायत पानसेमल के सीईओ महेश पाटीदार और पीआईयू के अधिकारी उपस्थित थे।

आंगनवाड़ी में मनाया गया राष्ट्रीय पोषण माह

माही की गूंज, बड़वानी

जिले के पानसेमल ब्लॉक के ग्राम खड़ीखाम में राष्ट्रीय पोषण माह मनाया गया। जीण्आईण्जेड और डब्ल्यूण्एचण्एचण् के सहयोग से महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय कर पहल जन सहयोग विकास संस्थान के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर डॉण् राहुल फटिंग ने इस अवसर पर उपस्थिति दर्ज कराई।इस दौरान कलेक्टर ने पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया और वहां बनी हुई सामग्री का स्वाद चखने के साथ.साथ उसकी जानकारी ली। सेक्टर सुपरवाइजर सुमन सूर्यवंशी ने पानसेमल ब्लॉक के छोटे.मोटे अनाजों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इनसे खान.पान में क्या बदलाव आते हैं। संस्थान बड़वानी की पोषण प्रोजेक्ट की टीम में लीड ट्रेनर प्रदीप धोटे और एफण्ओण् सुरेश आर्य भी उपस्थित थे।

खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर जीते पदक

माही की गूंज, खंडवा।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पंधाना के 7 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ था। प्रभारी प्राचार्य अंशु सिंह ने बताया कि जिन खिलाड़ियों का चयन हुआए उनमें बैडमिंटन के लिए एमी तिग्गीए टेबल टेनिस के लिए अमृता ठाकुर ;अम्बालाए हरियाणाद्धए बास्केटबॉल के लिए अनीता सोलंकी ;पोरबंदरए पुणेद्धए मुस्कान परिहार ;फिरोजपुरए पंजाबद्धए क्रिकेट के लिए तुलसी पटेलए शंकर गौतम ;करनालए हरियाणाद्ध और साहिल अखंडे ;उनाए हिमाचल प्रदेशद्ध शामिल हैं।प्रभारी प्राचार्य ने बताया कि टेबल टेनिस में अनीता सोलंकी ने स्वर्ण पदकए बैडमिंटन में एमी तिग्गी ने रजत पदकए और तुलसी पटेल ने बॉक्सिंग में कांस्य पदक प्राप्त किया है। विद्यालय में अंजुलता जैन एवं नवनीत श्रीवास्तव द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य ने सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

आशा घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड व आभा आईडी बनाने के लिए कर रही प्रेरित

माही की गूंज, खंडवा।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान पखवाड़ा 20 से 30 सितंबर तक मनाया जा रहा है। कलेक्टर अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर जिले में पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड और आम नागरिकों की आभा आईडी का निर्माण सचिवए रोजगार सहायक, सीएचओ, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा एवं आशा सुपरवाइजर द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा है। 70 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों को भी कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के पात्र हितग्राही अपने आयुष्मान कार्ड बनवाने के बाद शासकीय मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल समेत चिन्हित अस्पतालों में निःशुल्क इलाज करवा सकते हैं। इस योजना के तहत प्रत्येक परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा मिलती है।

180 प्राथमिक/माध्यमिक शासकीय संस्थाओं के बकाया लाखों के बिजली बिल

राशि जमा नही करने पर विद्युत कम्पनी ने खण्ड शिक्षा अधिकारी को जारी किया पत्र

तीन दिवस मे राशि जमा करने के निर्देश दिए? शाला प्रभारियों में हड़कंप

माही की गूंज, उदयगढ़।

उदयगढ खण्ड शिक्षा कार्यालय के अन्तर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय एवं माध्यमिक शालाए संचालित है। इन संस्थाओ मे अध्ययनरत बालक-बालिकाओ की बैठक सुविधा के साथ-साथ पानी पीने की भी प्रत्येक शाला पर तीन वर्ष पुर्व पीएचई विभाग जोबट की देखरेख व संरक्षण मे जोबट के ठेकेदारो ने टेंडर के माध्यम से लाखो रुपए के प्याऊ स्ट्रक्चर बनाये थे। जिसमे पानी की टंकी सहित शाला पर उपलब्ध हेन्डपंप मे एक फेस की विधुत मोटर कनेक्शन सहित शासन ने सुविधा शाला पर उपलब्ध कराई थी। ताकि स्कुली बच्चो को पानी उपलब्ध हो सके।

लेकिन अब शासन की यह सुविधा होने के बाद भी स्कुली बच्चो को शाला पर पीने का पानी उपलब्ध नही हो रहा है। क्योंकि शाला पर सभी प्याऊ स्टेक्चर शो पीस बने है या टुटे फुटे स्थति मे बंद पडे है। स्कुली बालक-बालिकाए अक्सर मध्यान्ह भोजन करने के बाद हेन्डपंप से ही काम चला रहे है। बहुत सी ऐसी भी शाला देखी गई जिस पर स्कुली बच्चो को पानी पीने के लिए शिक्षक ने अपनी सुविधा से प्लास्टिक केन भरकर रखी दिखाई दी।

उदयगढ से करीब आठ किलोमीटर दूर प्राथमिक विद्यालय लक्षमणा फलिया ग्राम उती मे कक्षा 1 से 5 तक के करीब 90 बच्चे दर्ज होकर अध्ययनरत है। शाला पर ठेकेदार ने प्लाऊ स्ट्रक्चर जरूर बना रखा है किन्तु बिना बिजली कनेक्शन के आज तक अनुपयोगी पडा हुआ है। शाला प्रभारी शिक्षक ठाकुरसिह देहदिया ने बच्चो को पानी पिलाने हेतु शाला के बाहर एक छोटी प्लास्टिक केन पानी भरकर पिने के लिए रखी है। जबकि शासन के लाखो रुपए की उपलब्ध सुविधा नगण्य पाई गई एव बिजली कनेक्शन आज तक जोडा नही गया। शिक्षक ने बताया कि, बिजली विभाग को बिजली बील राशि 19000 रुपए जमा करने के लिए निर्देश सबंधित बीईओ द्वारा दिए जा रहे है तो शिक्षक कहा की वह कैसे राशि जमा करेगा यह एक जाच का विषय है।

इसी प्रकार ग्राम आम्बी सरपंच फलिए मे संचालित एकीकृत माध्यमिक विद्यालय मे कक्षा 1 से 5 मे 93 बच्चे व कक्षा 6 से 8 मे 61 बच्चे दर्ज है। शाला प्रभारी शिक्षक नवलसिह चौहान ने बताया प्लाऊ स्ट्रक्चर अनुपयोगी है स्कुली बच्चे हेन्डपंप का ही पानी उपयोग कर रहे है। उसके बाद भी बिजली बील आ गया और राशि भरने के निर्देश दिए जा रहे है।

वहीं ग्राम धामंदा माध्यमिक विद्यालय एव ग्राम अरन्डी फलिए मे संचालित माध्यमिक विद्यालय मे भी प्लाऊ स्ट्रक्चर अनुपयोगी होकर बंद पडे है। स्कुली बालक-बालिकाए स्वंय हेन्डपंप हिलाकर पानी पिते नजर आये।

इस प्रकार उदयगढ विकास खण्ड क्षैत्र मे करीब समस्त प्राथमिक विद्यालय/माध्यमिक विद्यालयो पर स्कुली बच्चो को पिने के पानी की सुविधा शासन के द्वारा लाखो करोडो रुपए व्यय कर पीएचई विभाग के माध्यम से ठेकेदारो को टेंडर दिए जाकर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। किन्तु आज तक उक्त सुविधा से बालक बालिकाए वंचित है। यह एक गंभीर मामला होकर जांच का विषय है कि शासन की राशि व्यय होने के बाद इस योजना अभी तक शालाओ पर क्रियान्वयन क्यो नही हुई...? बडा सवाल यह है कि, क्षैत्र के अधिकारी सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारीगण भी समय समय पर शालाओ का निरिक्षण करते आ रहे है और दुसरे ही दिन समाचार पत्रो व सोशल मिडिया पर यह खबर प्रमुखता से चलाई जाती है कि फला अधिकारी ने फला स्कुल या संस्था का आकस्मिक निरक्षण किया और सबंधित को सुधार के निर्देश दिए गए। तो क्या इन अधिकारीयो व कलेक्टर को यह करोडो रुपए कि शासन की योजना शालाओ पर बंद पडी प्लाऊ स्ट्रक्चर आज तक नजर नही आऐ...?

उल्लेखनीय है कि आज वर्षो से बंद पडी प्लाऊ स्ट्रक्चर की सुविधा दि जाने के नाम बिजली विभाग ने खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयगढ को क्षैत्र की करीब 180 प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालयो के नाम मय बिजली कनेक्शन के आधार पर 44 लाख रुपए राशि के बील जमा करने का पत्र जारी किया है। जिस पर खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयगढ ने जारी पत्र पर समस्त प्राथमिक/माध्यमिक शाला प्रभारियो को तीन दिवस मे बील अनुसार राशि जमा कर कार्यालय उदयगढ को अवगत कराने के निर्देश दिए।

अब साल यह उठता है कि, शालाओ पर नही बिजली कनेक्शन है नही आज तक पानी स्कुली बच्चो को उपलब्ध हुआ। तो यह राशि का बील कैसे और शिक्षक बील की राशि भी कैसे अदा करेगा क्युकि उसके पास ऐसा कोई जरिया नही है। पुर्व मे शाला शिक्षा समिति खाते मे राशि जरुर उपलब्ध कराई जाती थी किन्तु उन खातो को भी वर्ष 2019-20 शुन्य कर दिए। इस प्रकार शाला प्रभारी शिक्षक काफी परेशान हो रहे है कि यह बिजली बील कहॉ से भरे गे।

क्या कलेक्टर इस प्याऊ स्ट्रक्चर घोटाले की जाच कर पीएचई विभाग व ठेकेदारो पर कार्यवाही कर स्कुली बच्चो को शासन की सुविधा उपलब्ध करा पाऐगे या बच्चे पानी के लिए यों ही तरसते रहेगे...?

सड़क दुघर्टना में मृतक बालिका के परिजन से भेंट करने पहुंची विधायक

माही की गूंज, उदयगढ़। खलील मंसूरी

सोमवार सुबह करीब 10 बजे स्कुल जा रही रविना कक्षा 6टी की सडक दुर्घटना मे मौत हो गई थी। यह खबर जैसे ही क्षैत्रिय विधायक सेना पटेल को मीली उन्होंने ग्राम तलावद तडवी फलिए पहुच कर पिडित परिवार को ढाढस बंधाया और परिवार को कार्यक्रम के लिए 10 हजार रुपए की राशि नगद भेट की। साथ ही 25 हजार रुपए की राशि स्वेच्छा अनुदान योजना के अन्तर्गत तत्काल स्वीकृत कर भुगतान करने का परिवार को आश्वासन दिया।

पिडित परिवार एव ग्रामीणजन विधायक से यह मांग कर रहा थे कि, जब तक आरोपी को पुलिस गिरफ्तार नही करेगी तब तक बालिका का दाह संस्कार नही करेगे। इस पर विधायिका पटेल ने सभी समाज व परिजनो को समझाया कि, घटना की एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस ने वाहन भी जप्त कर लिया है अब रहा सवाल आरोपी को गिरफ्तार करने का तो वह भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस सबंध मे विधायिका ने मौके पर उपस्थित थाना प्रभारी उदयगढ को उपस्थित ग्रामीणजनो के सामने आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। विधायक के समझाने के बाद परीजन दाह-संस्कार करने के लिए तैयार हो गये। इस अवसर पर ग्राम तलावद के समस्त ग्रामीणो के अलावा विधायिका के साथ अलिराजपुर से सोनु वर्मा नागर सिह वसुनिया, जुवानसिह देहदिया, मगनसिह, सरपंच राजु रावत आदि उपस्थित थे।

थाना प्रभारी सिसोदिया ने किया पदभार ग्रहण

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

च.शे. आजाद नगर भाबरा थाना प्रभारी का चार्ज संतोष सिसोदिया ने ग्रहण कर लिया है। सिसोदिया ने चर्चा के दौरान बताया की पुलिस अधीक्षक, एडिशन एसपी व एसडीओपी के मार्गदर्शन में पहली प्राथमिकता शहर में शांति व्यवस्था बनाएं रखना, अवेध शराब व अवेध सट्टे को लेकर अंकुश लगाना भी पहली प्राथमिकता रहेंगी। साथ ही आजाद नगर भाबरा थाना गुजरात सीमा से सटा होने के चलते समय-समय पांइट लगाकर संघन वाहन चैकिंग व शहर व आसपास के इलाकों में रात्रि गश्त अच्छे से किए जाने की बात कही।

एसडीएम कार्यालय प्रांगण अधिकारियों ने किया श्रमदान

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

चन्द्रशेखर आजाद (भाबरा) एसडीएम कार्यालय प्रांगण में स्वच्छता हीं सेवा श्रमदान गतिविधी को लेकर एसडीएम, तहसीलदार व ब्लाक के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने श्रमदान कर साफ-सफाई कर ट्रेक्टर ट्राली में कुड़ा कचरा डाला आजाद नगर भाबरा मे एसडीएम कार्यालय के आसपास स्वच्छता हीं सेवा श्रमदान गतिविधी को लेकर आज़ाद नगर भाबरा एसडीएम एसआर यादव व तेहसीलदार जितेन्द्र सिंह तोमर ने जन सुनवाई के बाद कार्यालय के आसपास स्वच्छता का संदेश देकर सफाई की। साथ ही यादव ने सभी ब्लाक के सभी अधिकारियों से अपनी अपनी संस्थाओं की साफ-सफाई करें। ताकि हम लोग बिमारियों से बच सके ओर अपना जीवन स्वस्थ रहें तेहसीलदार जितेन्द्र सिंह तोमर ने स्वच्छता हीं सेवा को लेकर कहा कि हम जिस तरह अपने अपने घरों की सफाई करते हैं वैसे ही हम लोग अपने आफिस की भी साफ सफाई करते रहे जिससे आफिस की सुन्दरता बनी रहें। इधर जनपत पंचायत च.शै. आजाद नगर भाबरा मे भी स्वच्छता हीं सैवा श्रमदान गतिविधी को लेकर प्रांगण व अपने अपने कमरों की सफाई की जनपत सीईओ वेलसिंह मुजाल्दा ने कहा कि जब तरह अपने शरीर को साफ-सुथरा रखते हैं। वैसे अपने आफिस की सफाई करना हमारा कर्तव्य है।

इस अवसर पर बीईओ विनोद कुमार कोरी, बीआरसी राजेन्द्र बेरागी, सीएमओ सुशील कुमार ठाकुर, पीएचई एसडीओ महेश सोलंकी, कृषी विभाग मानसिंह चगोड, पशु चिकित्सालय अधिकारी मालसिंह खरत, महिला बाल विकास अधिकारी मुकेश भुरिया, गमसिग मेड़ा, अनिता पाटीदार, वंदना रोंदले, अरविंद बेरागी, बीएस नायक, अमरसिंह डुडवे, चौकीदार व नगर पंचायत सफाईकर्मी आदि से मौजूद थे।

बालशिवभक्त मंडल ने कथा प्रवक्ता पंडित श्री शैलेन्द्र शास्त्री का किया सम्मान

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ स्थित हथिनेश्वर महादेव मंदिर में विगत दो वर्षों से पूजा अर्चना तथा प्रति शाम प्रदोष काल में आरती एवं रविवार को मंदिरों में सफाई कर स्वच्छता का संदेश देने वाले बालशिवभक्त मंडल के नन्हें शिवभक्तों द्वारा आम्बुआ में आयोजित हो रही महा शिव पुराण कथा में व्यासपीठ पर विराजमान प्रसिद्धि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की पावन धरा से पधारे शिवपुराण प्रवक्ता पंडित श्री शैलेन्द्र शास्त्री का व्यासपीठ पर पुष्प माला, शाल, श्रीफल आदि के साथ सम्मान किया। सम्मान से अभिभूत पंडित श्री शैलेन्द्र शास्त्री जी ने बालशिव भक्तमंडल के नन्हें शिवभक्तों को उज्वल भविष्य का आशीर्वाद प्रदान किया तथा शिव सेवा मे जुटे बच्चों के कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कथा दौरान आम्बुआ महिला मंडल द्वारा भी व्यास पीठ पर विराजमान पंडित श्री शैलेन्द्र शास्त्री जी का सम्मान किया गया।

भगवान का अवतार धर्म एवं भक्तों के कल्याण के लिए होता है- पंडित शैलेंद्र शास्त्री

कथा के दिवस बेलपत्र के पौधों तथा रुद्राक्ष का किया वितरण

माही की गूंज, आम्बुआ।

भगवान किसी को मारते नहीं वह खोटे काम कर कर के स्वयं मर जाता है भगवान भक्तों पर कृपा करते हैं भगवान भोलेनाथ की अपने सरल स्वभाव के कारण हमेशा भक्तों पर कृपा करते रहते हैं।

उक्त विचार आम्बुआ में चल रही श्री महाशिवपुराण कथा के सातवें तथा अंतिम दिवस व्यास पीठ पर विराजमान ओंकारेश्वर से पधारे पंडित श्री शैलेंद्र शास्त्री जी ने व्यक्त करते हुए भोलेनाथ के विभिन्न अवतारों में से आज दुर्वासा ऋषि अवतार की कथा सुनाते हुए बताया कि, माता अनसूया ने तीनों देवता ब्रह्मा, विष्णु, महेश से वर मांगा था कि हमारे घर कोई संतान नहीं है। हमें संतान का वरदान दे तब तीनों देवताओं के अंश से क्रमशः श्री विष्णु जी यानी नारायण भगवान के अंश स्वरूप भगवान दत्तात्रेय जिन्होंने 24 गुरु बने श्री ब्रह्मा जी के अंश से चंद्रमा तथा भगवान भोलेनाथ के अंश (आशीर्वाद) से दुर्वासा ऋषि का जन्म हुआ इनमें दुर्वासा ऋषि क्रोधित होने वाले ऋषि के रूप में प्रख्यात हुए जिनका वर्णन महाभारत में भी आता है।

एक बार दुर्वासा ऋषि अपने 100 शिष्यों के साथ द्वारकापुरी गए जहां श्री कृष्ण ने उन्हें राजमहल में चलने का आग्रह किया तब उन्होंने रथ लाने को कहा तथा रथ में घोड़े की जगह स्वयं द्वारकाधीश तथा रुक्मणी को रथ खींचकर ले जाने को कहा। जब दुर्वासा जी महल में पहुंचे तो उन्होंने खीर का प्रसाद ग्रहण करने की इच्छा व्यक्त की खीर जब लाई गई तो उन्होंने वह खीर कृष्ण भगवान तथा रुक्मणी के शरीर पर लगाने को कहा श्री कृष्ण ने अपने पैर के तलवों में खीर नहीं लगाई जिस कारण अंतिम समय में उनके पांव में तीर लगा।

कथा में आगे 12 ज्योतिर्लिंगों की विस्तार से कथा सुनाई। बुधवार को कथा का अंतिम दिन होने से व्यास पीठ का महाशिवपुराण कथा समिति द्वारा तथा जजमान एवं भक्तों द्वारा सम्मान किया गया शास्त्री सेवा समिति ओंकारेश्वर की ओर से बेलपत्र का वृक्ष तथा रुद्राक्ष का निःशुल्क वितरण किया आरती पश्चात कथा पोथी का भव्य जुलूस गिरते पानी में निकाल कर देवेंद्र (बंटी) चौहान के निवास तक ले जाया गया जहां पर महा प्रसादी का वितरण किया गया।

नित नए प्रयोग करने के बजाय पुलिस वर्तमान स्थिति को सुधारे और अपराधियों में खौफ पैदा करे...

आयोजनों से आमजन को समझाया जा सकता है लेकिन किसी अपराध की प्रवृत्ति को सुधारा नही जा सकता

माही की गूंज, झाबुआ।
मुजम्मिल मंसुरी

वैसे तो जिले में आपराधिक घटनाओं का ग्राफ हमेशा से ही उपर-नीचे होता रहा है। जिले में रहे पूर्व पुलिस अधीक्षकों में से कईयों ने इस पर जमकर नकेल कसी तो कईयों ने जिले की आपराधिक परिस्थितियों को जस का तस ही छोड़ दिया। पश्चिमी मध्यप्रदेश के आखिरी छोर पर बसे इस जिले से तीन राज्यों की सीमाएं लगती है और यही कारण भी है कि, यहां का आपराधिक ग्राफ हमेशा अन्य जिलों के मुकाबले उपर ही रहा है। हालांकि जिले के इस आपराधिक ग्राफ पर पूर्व में जिले में रहे कुछ पूर्व पुलिस अधीक्षकों ने नकेल कसी थी, लेकिन जब-जब ऐसा हुआ तब-तब तबादला नीति ने अपना अड़ंगा अड़ाया और अच्छे अफसरों की जिले से बिदाई भी देखने को मिली है। प्रदेश का सीमावर्ती जिला होने के कारण अन्य प्रदेशों की सीमाओं का लगा होना जिले में आपराधिक ग्राफ बढ़ने का मुख्य कारण भी माना गया है। प्रदेश से अन्य प्रदेशों में अवैध धंधों, सप्लायरों और नशे के कारोबार मुख्य रूप से जुड़े ही रहे है। सीमावर्ती जिला होने के कारण माफियाओं ने भी अपने पैर जिले की सीमावर्ती इलाकों मे जमा रखे है। जिले में वैसे तो सबसे बड़ा अवैध करोबार अवैध शराब का है, लेकिन इसके अलावा भी नशीले पदार्थ जिले में अवैध नशे के माफिया खपाते रहे है। इसके अलावा रेत, खनिज और नकली व अवैध डीजल माफियाओं ने भी इसे अपनी अवैध धंधों की कर्म स्थली बना रखा है। इन सबके बीच जो इस जिले में हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है वह है पुलिस विभाग। कहने को तो यहां भी अन्य जिलों की तरह ही पुलिस विभाग तैनात है, लेकिन अन्य जिलों के मुकाबले यहां अपराध व अपराधिक घटनाओं का ग्राफ थोड़ा अधिक ही है। ऐसी स्थिति में अगर पुलिस विभाग का रवैया चुस्त-दुरूस्त न होकर सुस्त रहता है तो स्थितियां गंभीर दिखाई पड़ती है।

वैसे तो जिले में सब कुछ ठीक ही चल रहा है, लेकिन जिले की सीमाओं में घटने वाली आपराधिक घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। स्थितियां कुछ ऐसी बनी हुई है कि, पुलिस डाल-डाल तो अपराधी पात-पात नजर आते है। बीते वर्षाकाल में जिले में कई बड़ी आपराधिक घटनाएं देखने को मिली है। पुलिस ने इन घटनाओं पर एक्शन लेकर कई घटनाओं और अपराधों का खुलासा किया है। इन खुलासों में अपराधी भी पकड़ में आए है। पुलिस की इस तरह की कामयाबी के बावजूद जिले में अपराधों का ग्राफ घटता तो दिखाई नहीं दे रहा है। लगातार एक के बाद एक बड़ी घटनाएं पिछले दिनों में देखने को मिली है। कल्याणपुरा क्षेत्र में सोने-चांदी के व्यापारी की दुकान में चोरी की वारदात हो या पिटोल क्षेत्र में सोने-चांदी की दुकान में हुई चोरी की घटना। और भी ऐसी कई बड़ी घटनाएं है जो पिछले दिनों जिले में देखने को मिली है। अपराध, वारदात, लूट, या चोरी की घटनाओं के बाद पुलिस ने अपराधों का खुलासा भी किया है, आरोपियों को पुलिस गिरफ्त में लेकर बरामदगी भी की गई है, लेकिन बावजूद इसके अपराधों पर किसी तरह का कोई अंकुश लगता दिखाई नहीं दे रहा है।

पूरे वर्षा ऋतु काल में जिस तरह से अपराधों की संख्या बढ़ी है वह पुलिस विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली की तरफ इशारा कर रही है। इससे यह भी माना जा रहा है कि, अपराधियों में पुलिस की कार्यप्रणाली का कोई खौफ दिखाई नहीं दे रहा है। जिसका परिणाम यह है कि कई अपराधिक घटनाओं का पुलिस द्वारा खुलासा करने और अपराधियों को पकड़ने के बावजूद आए दिन नित नई घटनाएं देखने को मिल रही है। लूट, डकैती, चोरी जैसी घटनाओं के साथ ही जिले में आए दिन खून-खराबा देखने को मिल रहा है। खून-खराबे में इस्तेमाल होने वाले अवैध हथियार इस बात की गवाही देते नजर आ रहे है कि, जिले में अवैध हथियारों का भी इस्तेमाल जोरों पर है। यहां सवाल यह भी उठता है कि, आखिर जिले में अवैध हथियार कहां से व कैसे आते है...?

इसके अलावा जिले से गुजरने वाले हाईवे, नेशनल हाईवे भी इन दिनों असुरक्षित ही महसूस हो रहे है। जिले में रात में किसी भी सड़क मार्ग पर सफर करना लगभग खतरे से खाली नहीं है। जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे पर आए दिन रात में वाहनों पर हमले हो रहे है। राहगीरों और वाहनों को जमकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस मामले में घटनाओं का आंकड़ा थोड़ा ज्यादा ही है, लेकिन इस तरह की घटनाओं को लेकर पुलिस के हाथ अब तक खाली ही नजर आते है। हाईवे पर होने वाली पत्थरबाजी का जिले की पुलिस के पास अब तक कोई जवाब नहीं है। अलबत्ता पुलिस विभाग द्वारा इस मामलें में खाना पुर्ति की पूरी कोशिशे लगातार जारी है। हाईवे पर होती घटनाओं को देखते हुए पुलिस नित नई योजनाएं बना तो रही है, लेकिन पुलिस विभाग की यह योजनाएं कब तक धरातल पर उतरेंगी इसका कोई निश्चित समय अब तक सामने नहीं आया है।

हालांकि जिला पुलिस अधीक्षक अब धीरे-धीरे जिले में नवाचार करते हुए सोशल पुलिसिंग की ओर बढ़ रहे है। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने चलित थाने की शुरूआत जिले में कर दी है और गांव-गांव जाकर वे लोगों से संपर्क कर उनकी समस्यओं को जान रहे है। कई समस्याओं के निराकरण भी मौके पर ही किए जा रहे है। आध्यात्मिक व सामाजिक पुनरूत्थान हेतु ग्राम-नगर रक्षा समिति सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इन सम्मेलनों के माध्यम से लोगों को कुप्रथा छोड़ने के लिए समझाईश दी जा रही है। नशा मुक्ति, भांजगड़ी, बाल विवाह जैसी कई कुरितियों को दूर करने की कोशिश की जा रही है।

पुलिस की इस तरह की पहल की हम सराहना करते है। लेकिन सवाल यह है कि, क्या पुलिस के इस तरह के आयोजनों में अपराधी या अपराध की दुनिया से जुड़े लोग शामिल होते है...? अगर नहीं तो फिर क्या पुलिस भोले-भाले निरअपराध ग्रामीणों को अपराध मुक्त करना चाहती है...? हम यहां यह नही कह रहे है कि, पुलिस का इस तरह का अभियान चलाना गलत है, लेकिन वर्तमान में घट रही घटनाओं और अपराधों से इस तरह के आयोजनों का क्या सरोकार है? इस तरह के आयोजन जो वर्तमान को नहीं बदल सकते। हां यह जरूर है कि, इसके दुर्गामी परिणाम देखने को मिल सकते है, लेकिन वह भी तभी संभव है जब लगातार इसी तरह से वर्षो मेहनत की जाए। वरना पुलिस विभाग का यह सारा आयोजन निरर्थक ही साबित होगा। और यह संभव इसलिए भी नहीं दिखाई देता क्योंकि इस जिले में अधिकारियों का आना और जाना चलता ही रहता है। आते -जाते अधिकारियों के बीच जिले की स्थिति हमेशा से ही ढाक के तीन पात साबित हुई है। हां यह जरूर है कि, हर आने वाले अधिकारी ने इस जिले को प्रयोगशाला समझ कर नित नए प्रयोग जरूर किए है। उनके यह प्रयोग जिले से उनकी रवानगी के साथ ही चले जाते है।

विपरीत परिस्थितियों को अगर देखें तो हालात कुछ ऐसे है कि, भांजगड़ी के बीच सुलह करवाने पहुंची पुलिस ही हमलावरों का शिकार हो जाती है और किसी अपराध को रोकने के बजाय एक बड़ा अपराध सामने आकर खड़ा हो जाता है। इसमें पुलिस को नुकसान भी उठाना पड़ता है और पुलिस के जवान घायल भी होते है। हालांकि पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करती है। मगर बात वही है कि, आखिर पुलिस का खौफ अपराधियों में क्यों नहीं है? क्यों भांजगड़िये पुलिस से खौफ नहीं खा रहे है। इसका असल कारण यह है कि, इस भांजगड़ी प्रथा को बढ़ावा भी खुद पुलिस ने ही दिया है। भांजगड़ी का फायदा पुलिस को यह होता कि, न एफआईआर दर्ज करना पड़ती और ना ही कोई मामला बनता। इससे पुलिस विभाग की एक बहुत बड़ी दौड़-भाग खत्म हो जाती है। अंदर खाने के सुत्र तो यह भी बताते है कि भांजगड़ी कहीं भी हो पुलिस विभाग के कुछ चुनिंदा लोगों को आर्थिक लाभ भी पहुंचाती है।

तो मेहरबानी इतनी सी हो कि नित नए प्रयोग जिले में करने के बजाय वर्तमान स्थिति को पुलिस विभाग सुधारे और अपराधियों में खौफ पैदा करे। क्योंकि जिस तरह के आयोजन पुलिस विभाग कर रहा है उससे आमजन को तो समझाया जा सकता है लेकिन किसी अपराधी की आपराधिक प्रवृत्ति को सुधारा नहीं जा सकता।

केमिकल माफिया मस्त और लोकतंत्र ध्वस्तः औद्योगिक क्षेत्र के केमिकल कारखानों के जहर से जनता त्रस्त

माही की गूंज के चेताने के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

केमिकल जहर के खिलाफ नेशनल हाइवे पर सैकड़ों लोगों ने किया चक्काजाम

माही की गूंज, मेघनगर।
इमरान शेख

बुधवार को सुबह 10 बजे मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र के कारखानों द्वारा छोड़े जाने वाले केमिकलों के जहरीले पानी के खिलाफ सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने नेशनल हाइवे मेघनगर से झाबुआ जाने वाले रोड़ पर चक्काजाम कर आवागमन को ठप कर दिया।

केमिकल से त्रस्त ग्रामीणो ने सभी केमेकिल फैक्ट्रियों को स्थाई रूप से बंद करने की मांग शासन-प्रशासन से की । ग्रामीणों ने प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए और कहा हर बार सिर्फ नोटिस की खानापूर्ति की जाकर इन जहर फेलाने वाले उद्योगों को फिर से शुरू कर दिया जाता है। कई बार पंचनामे भी बनाए गए मगर हुआ कुछ नही। ग्रामीणों ने ये भी कहा कि, इन फैक्ट्रियों के जहरीले पानी से उनकी सारी जमीन बंजर हो गई, जानवर मर रहे हैं और उनके लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे है मगर कोई ठोस कार्रवाई नही होती।

एसडीएम मेघनगर, एसडीएम झाबुआ, एसडीओपी झाबुआ ने आक्रोशित लोगों को ठोस कार्रवाई का आश्वासन देकर समझाने की कोशिश की, मगर लोग इन कारखानों को स्थाई तौर पर बंद करने तक किसी भी अन्य समझोते के लिए तैयार नहीं थे। खबर लिखे जाने तक कल्याणपुरा थाने, मेघनगर थाने का बल, अनुविभागीय अधिकारी झाबुआ और थांदला, तहसीलदार मेघनगर, एसडीओपी थांदला सहित समस्त अधिकारी पुरे अमले के साथ कानून व्यवस्था को नियंत्रित करने हेतु मौके पर उपलब्ध थे।

माही की गूंज ने कई खबरे की थी प्रकाशित, नहीं जागा प्रशासन

माही की गूंज ने इन कारखानों के जहर के खिलाफ 27 जून, 1अगस्त, 22 अगस्त, 3 सितम्बर को लगातार कई खबरे प्रकाशित कर बताया था कि, किस तरह मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र के केमिकल कारखानों और अन्य कारखानों ने क्षेत्र के जल, वायु और भूमि तीनों को हद से ज्यादा प्रदूषित कर दिया है। क्षेत्र के लोगों का पानी पीना, सांस लेना सब दुर्भर हो चुका है। मगर प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नही की। प्रशासन की इन जहर के माफियाओं पर मेहरबानी किसी बड़े घटनाक्रम की वजह ना बन जाए।

सब अधिकारियों के पास अधिकार मगर कार्रवाई के लिए कोई तैयार नहीं

जल प्रदूषण निवारण और नियंत्रण अधिनियम, 1974 की धारा 32 में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को ये अधिकार है की वो किसी भी उद्योग को बंद कर सके मगर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी उद्योग बंद करने की बजाए इस धारा के जरिए हर बार अपने आर्थिक हित साधकर चले जाते हैं। तो वही कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार सहित किसी भी मजिस्ट्रेट को भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिंता की धारा 152 लोक बाधा (पब्लिक न्यूसेंस) ये अधिकार देती है की वो ऐसे किसी भी उद्योग या व्यवसाय को बंद करवा सकती। मगर हर बार यह अधिकारी सिर्फ 152 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का छोटे उद्योगों को नोटिस देते है और कुछ दिन बाद उनसे एक हलफनामा लेकर पुनः शुरू करवा देते हैं। जबकि प्रदूषण के जिम्मेदार मुख्य उद्योगों के राजनीतिक और आर्थिक रसूख के सामने उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नही की जाती। वही पुलिस के पास भी भारतीय न्याय संहिता में जनहानि की संभावना होने पर कई धाराओं में जिम्मेदारों पर प्राथमिकी दर्ज करने के अधिकार है मगर कोई भी अपने अधिकारों का उपयोग करने को तैयार नहीं है। लोकतंत्र की मालिक जनता जहरीली हवा खाने और जहरीला पानी पीने को मजबूर है।

ग्रामीण बैठे धरने पर प्रशासन देती रही समझाईश।

क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी क्षेत्रीय प्रदूषण सरंक्षण अधिकारी प्रतीत होते हैं

धार-झाबुआ क्षेत्र के प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी कोई मनोज कुमार मंडरई है। जिनके पास मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र के प्रदूषण को नियंत्रित करने और कार्रवाई करने की जिम्मेदारी है। मगर उनकी कार्यशेली से प्रतीत होता है कि, वो प्रदूषण नियंत्रण नही बल्कि प्रदूषण करने वालों के सरंक्षण अधिकारी है। क्योकी न तो वो मीडिया कर्मियों का फोन उठाते हैं न आम आदमी का और तो और उनके नंबर भी ब्लॉक लिस्ट में डाल देते हैं। कोई व्हाट्सएप पर कोई प्रदूषण की खबर सेंड करे या लिखित सूचना दे तो उसको व्हाट्सएप पर भी ब्लॉक कर देते हैं। उनके इस व्यवहार से साफ प्रतीत होता है कि किस तरह उनकी इन उद्योगों के माफियाओं के साथ सांठगांठ है। क्या ऐसे किसी अधिकारी को इस पद पर रहने का अधिकार है...? अगर किसी दिन, किसी व्यक्ति ने, किसी बड़ी अनियमितता या बड़े घटनाक्रम की सूचना इन्हे देनी चाही तो वो कैसे देगा और कोई बड़ा घटनाक्रम हो गया तो उसका ज़िम्मेदार कोन होगा...?

जहरीले केमिकल को लेकर माही की गूंज मे प्रकाशित समाचारो के बाद भी प्रशासन नही जागा तो ग्रामीणों को करना पड़ा चक्काजाम।

– चक्काजाम में वाहनो की लगी लम्बी लाईन।

नल-जल योजना कार्य में घटिया निर्माण और घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप

मौके पर पहुंची नवागत एसडीएम, जांच के दिए आदेश

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत गोठानिया के ग्रामीणों ने नल-जल योजना के घटिया निर्माण कार्य व कार्य मे घटिया सामग्री के उपयोग की शिकायत पर नवागत एसडीएम तनुश्री मीना गोठानिया खुर्द पहुची। जहा पर नल जल योजना के अंतर्गत टंकी निर्माण में घटिया सामग्री का निरीक्षण कर पीएचई के अधिकारियों को जांच के आदेश दिए है।

गौरतलब है कि, क्षेत्र में नल-जल योजना का कार्य गोठानिया में चल रहा है। जिसको लेकर गोठानिया के ग्रामीणों ने एसडीएम को आवेदन दे कर शिकायत की थी।

आवेदनकर्ता भरत बंजारा ने बताया कि, नल जल योजना के कार्य को लेकर टंकी निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा था, जिसको लेकर ग्रामीणों ने आवेदन देकर एसडीएम साहब को शिकायत की थी। इस अवसर पर सरपंच पति भेरूलाल गामड़, हल्का पटवारी आरएस डामर, पीएचई विभाग के अधिकारी सहित ग्रामीण जन मौजूद थे।

इसके बाद एसडीएम तनुश्री मीना प्राथमिक विद्यालय गोठानिया खुर्द पहुची जहा पर छात्रों से सवाल जवाब किए। साथ ही स्कूल व्यवस्था को लेकर प्रभारी शिक्षक जगदीश पाटीदार से चर्चा की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422